राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 25 जनवरी 2026 वर्ष-9,अंक-03 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बहुत जल्द भारत बनाएगा अपना स्पेस स्टेशन

इसरो ने शुरू किया काम,एक और छलांग की है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक और छलांग लगाने की तैयार कर रहा है। स्पेस एजेंसी ने अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की नींव रख दी है। भारतीय उद्योग जगत को साथ आने का न्योता दिया है। यह कदम भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देगा जिनके पास अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना (स्टेशन) है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने भारतीय कंपनियों के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया है। इसके जरिए निजी क्षेत्र की कंपनियों को अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल, ईआर-01 के निर्माण के लिए आमंत्रित किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पहले चरण की शुरुआत 2028 में होगी। इसमें अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल (ईआर-01) को लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है।

2035 तक इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। सभी 5 मॉड्यूल्स के साथ स्टेशन पूरी तरह तैयार हो जाएगा। यह पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 400-450 किमी की ऊंचाई पर स्थापित होगा। शुरुआत में यह 3-4 अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने और वहां वैज्ञानिक प्रयोग करने में

सक्षम होगा। इसरो ने भारतीय कंपनियों के लिए कड़े मानक तय किए हैं, क्योंकि यह मॉड्यूल इंसानों के रहने योग्य होगा। प्रत्येक मॉड्यूल 3.8 मीटर व्यास और 8 मीटर ऊंचा होगा। इसका निर्माण उच्च शक्ति वाले एल्युमिनियम मिश्र धातु (ए-2219) से किया जाएगा। निर्माण में 0.5 मिलीमीटर की भी गलती स्वीकार्य नहीं होगी। कंपनियों को विशेष वेल्डिंग और फैब्रिकेशन तकनीक विकसित करनी होगी। इसरो ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह भारतीय प्रयास होगा। इसमें किसी भी विदेशी सहायता या आउटसोर्सिंग की अनुमति नहीं होगी। जो कंपनियां इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हैं उनके लिए कुछ शर्तें रखी गई हैं। कम से कम 5 साल का एरोस्पेस निर्माण का अनुभव हो। पिछले 3 वर्षों में औसत वार्षिक टर्नओवर कम से कम 50 करोड़ हो। आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 मार्च 2026 तय की गई है। यह परियोजना केवल एक स्टेशन बनाने तक सीमित नहीं है।

कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का कभी नहीं किया विरोध

● थरूर बोले-केवल ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर असहमति थी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि मैंने पार्लियामेंट में कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का किसी भी स्टेज पर विरोध नहीं किया है। एकमात्र मुद्दा ऑपरेशन सिंदूर था, जिस पर सिद्धांत के आधार पर पब्लिक में असहमति हुई।

उन्होंने कहा- इस मामले पर मैंने बहुत मजबूत स्टैंड लिया था। मैं उसके लिए कोई माफी नहीं मांगूंगा। पहलगाम की घटना के बाद, मैंने खुद एक कॉलम लिखा था। मैंने इसमें कहा था कि ऐसी घटना को बिना सजा के नहीं छोड़ा जा सकता और इसका जवाब देना जरूरी है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने ये बातें शनिवार को कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टीवल के दौरान कहीं। वह वहां दर्शकों के सवालों का जवाब दे रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कड़े रुख का कोई पछतावा नहीं है। भारत को विकास पर ध्यान देना चाहिए और पाकिस्तान के साथ लंबे संघर्ष में नहीं उलझना चाहिए। किसी भी कार्रवाई को आतंकवादी शिविरों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए।

मुझे हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही किया, जैसा मैंने सुझाया था। जवाहरलाल नेहरू ने कहा था अगर भारत मर जाता है, तो कौन जीवित रहेगा। उनका कहना था कि जब देश की सुरक्षा और दुनिया में उनकी स्थिति का सवाल हो, तो भारत सबसे पहले आता है।

पीएम ने 61 हजार से अधिक युवाओं को दी सौगात

रोजगार मेले में मोदी ने युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले में सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र सौंपे। 18वें रोजगार मेले के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में ये नियुक्तियां की जाएंगी। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा,आज के इस महत्वपूर्ण

दिन देश के 61 हजार से अधिक नौजवान जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। आज आप सभी को सरकारी सेवाओं के नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। ये एक तरह से नेशन बिल्डिंग का इनविटेशन लेटर है। यह विकसित भारत के निर्माण को गति देने का संकल्प पत्र है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी ने कहा,साल 2026 का आरंभ आपके जीवन में नई खुशियों का आरंभ कर रहा है। इसके साथ ही जब बसंत पंचमी कल ही गई है तो आपके जीवन में भी ये नई बसंत का आरंभ हो रहा है। आपको ये समय संविधान के प्रति अपने दायित्वों से भी जोड़ रहा है। संयोग से इस समय देश में गणतंत्र का महापर्व चल रहा है।

तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी का दौर

पीएम मोदी ने कहा कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के इस दौर में देश की जरूरतें और प्राथमिकताएं भी तेजी से बदल रही हैं।इस तेज बदलाव के साथ आपको खुद को अपग्रेड करते रहना है।उन्होंने कहा,मुझे खुशी है कि इतने कम समय में करीब डेढ़ करोड़ सरकारी कर्मचारी इस प्लेटफॉर्म से जुड़कर खुद को नए सिरे से ट्रेंड कर रहे हैं, इम्पॉवर कर रहे हैं।हम सभी के लिए एक मंत्र है- नागरिक देवो भव:।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़ा है।इसका उद्देश्य, देश में जीवन और कारोबार, दोनों को आसान बनाने का है।उन्होंने कहा, आज के इस आयोजन में 8 हजार से ज्यादा बेटियों को भी नियुक्ति पत्र मिले हैं। बीते 11 वर्षों में देश के वर्कफोर्स में, वीमेन पार्टिसीपेशन में करीब करीब दोगुनी बढ़ोतरी हुई है।उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत सरकार, अनेक देशों से ट्रेड और मोबिलिटी एग्रीमेंट कर रही है।ये भारत के युवाओं के लिए अवसर है।

भारत ही नहीं, अब चालीस देशों में होगा एसआईआर

चुनाव आयोग के दिल्ली डिक्लेरेशन पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य अब सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने अपने यहां मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए इसी तरह का तरीका अपनाने पर बल दिया है। भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा 'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन' पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने आए 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों और 27 देशों के मिशन प्रमुख ने सर्वसम्मति से अपने यहां भी मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए अपनी-अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' (आईआईसी डीईएम-2026) के अंतिम दिन विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने 'शुद्ध' मतदाता सूची बनाने और हर मतदाता को

फोटो पहचान पत्र देने पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। सम्मेलन के समापन सत्र में 'दिल्ली घोषणा 2026' को पढ़ते हुए भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि इसमें शामिल सभी चुनाव प्रबंधन निकायों ने घोषणा पत्र के पांच स्तंभों पर एक साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया है जो 'मतदाता सूची की शुद्धता, चुनाव संचालन, अनुसंधान और प्रकाशन, प्रौद्योगिकी के उपयोग और प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि सभी ने अपनी प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करने का भी संकल्प लिया और 3, 4 और 5 दिसंबर 2026 को भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान नई दिल्ली में दोबारा से मिलने का प्रस्ताव दिया, जिसे सभी ने स्वीकार किया।

शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की नींव

समापन सत्र में ज्ञानेश कुमार ने कहा, कानून के अनुसार सभी मतदाताओं के नाम वाली शुद्ध मतदाता सूची किसी भी लोकतंत्र की नींव है।निकायों को चुनावों के आसान और पारदर्शी संचालन के लिए सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। सम्मेलन में 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों और 27 देशों के मिशन प्रमुखों सहित लगभग 1,000 लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के नेतृत्व में प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों व अन्य ने गहन विचार-विमर्श में योगदान दिया।

अपनी 'कमजोरी' का असर अर्थव्यवस्था पर न पड़ने दें

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तीखा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ की वजह से अब घरेलू राजनीति में पीएम मोदी पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी टैरिफ के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते

हुए कहा कि पीएम मोदी को ध्यान रखना चाहिए कि उनकी अपनी कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर न पड़े। दरअसल, राहुल यहां पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ को पीएम मोदी की राजनैतिक कमजोरी करार दे रहे थे। गुरुग्राम के पास मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा करने पहुंचे लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले। राहुल के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में वह कहते हैं कि मोदी जी, यह आपकी जिम्मेदारी है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए। उन्होंने कहा, ''अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है। हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं। इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है, इकाइयां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी ने कोई राहत नहीं दी है और न ही टैरिफ के बारे में बात की है, जबकि 4.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां और लाखों बिजनेस दांव पर लगे हैं।'' उनके मुताबिक, इस क्षेत्र में काम करने वालों को उन्हें बस एक ऐसी सरकार चाहिए जो उन्हें वास्तविक सहयोग दे।

ठाकरे भाई अब नहीं होंगे अलग! हो गया फैसला

● बालसाहेब के जन्मदिन पर छलका प्यार,खूब बजीं तालियां

मुंबई (एजेंसी)। साल 2025 में जब हिंदी-मराठी भाषा विवाद को लेकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ आए थे तो राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा था कि दोनों भाइयों में मेल-मिलाप नहीं हो पाएगा, लेकिन इसके बाद दोनों भाइयों ने मुंबई बीएमसी समेत महाराष्ट्र में महानगरपालिका के चुनाव साथ-साथ लड़े। बीएमसी में राज टाकरे की अगुवाई वाली मनसे को सिर्फ 6 सीटें मिलने के बाद विश्लेषण में कहा जा रहा है कि राज-उद्धव ठाकरे कितने दिन साथ रहेंगे। इन तमाम कयासबाजी के बीच शुक्रवार को ठाकरे भाइयों की गजब की केमिस्ट्री सामने आई। जब शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के 100वें जन्मदिन (जन्म शताब्दी) के मौके पर दोनों भाई एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। दोनों ने एक साथ रहने का फैसला लिया है।

शाह ने यूपी विधानसभा चुनाव का किया शंखनाद

लखनऊ में बोले-सपा-बसपा परिवारवादी,ये आपका कल्याण नहीं करेंगी

लखनऊ (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने लखनऊ में यूपी विधानसभा चुनाव- 2027 का शंखनाद कर दिया। शाह ने लोगों से कहा- सपा, बसपा और कांग्रेस जातिवादी और परिवारवादी पार्टियां हैं। ये आपका कल्याण नहीं सकतीं। 2027 में ऐसी पार्टियों को रिजेक्ट कर एक बार फिर भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएं। यूपी का कल्याण सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। शाह यूपी दिवस समारोह के लिए लखनऊ आए थे। उन्होंने 24-26 जनवरी तक चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया। हर जिले के पारंपरिक व्यंजनों को दुनियाभर में पहचान दिलाने के लिए एक जनपद, एक व्यंजन योजना की शुरुआत भी की।

उन्होंने जय श्रीराम का जयकारा लगाकर अपने संबोधन की शुरुआत की। भारत माता की जय के भी नारे लगाए। लोगों से कहा- आज यूपी दिवस है भाई, लखनऊ वालों की आवाज को क्या हो गया। इसके बाद लोगों ने जोर से शाह के साथ नारे लगाए। इससे पहले, सीएम योगी ने पीएम मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने 2017 में यूपी में भाजपा की जीत का श्रेय शाह को दिया। साथ ही जनता से अपील की कि 2027 में फिर से भाजपा सरकार बनाएं। कार्यक्रम में एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला समेत 5 लोगों को यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। शाह ने अलग-अलग जिलों के फेमस व्यंजनों के स्टॉल का निरीक्षण भी किया। शाह और योगी साथ चलते दिखाई दिए। पीछे दोनों डिप्टी सीएम और बीच में पंकज चौधरी चल रहे थे।

सनातन धर्म को अनंत ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया- शाह ने कहा- प्रयागराज में महाकुंभ का विराट आयोजन किया गया।हमारे सनातन धर्म को अनंत ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया गया। अब उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में भी 11 फीसदी विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। यूपी में डेटा सेंटर सेमीकंडक्टर की फैक्ट्रियां लग रही हैं।2017 के पहले कोई कल्पना नहीं कर सकता था कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर भी बनेगा।यूपी कानून व्यवस्था ऐतिहासिक सुधार हुआ है।डकैती में 82 प्रतिशत की कमी आई है।

प्रदेश की सुरक्षा के लिए, विकास के लिए भाजपा को जिताएं- शाह ने कहा- जनता ने 2014, 2017, 2019, 2022 से 2024 में भाजपा का कमल खिलाया। 2027 में फिर उत्तर प्रदेश में चुनाव होना है।मैं यहां के लोगों से अपील करने आया हूं।

बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान अब नहीं गाएंगी 'बीड़ी जलाई ले'

● चंडीगढ़ के प्रोफेसर की शिकायत पर चाइल्ड राइट्स कमीशन का नोटिस; कहा- बुरा असर पड़ेगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फेमस बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान को चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. पंडित राव धरेन्नावर की शिकायत पर नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस दक्षिण गोवा जिला बाल संरक्षण इकाई ने जारी किया है। इसमें सिंगर को बीड़ी जलाई ले और शराबी या ऐसे ही सॉन्ग गाने ना देने के कहा गया है। बता दें कि सिंगर का कल या यानि 25 जनवरी को गोवा के 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में 'द अल्टीमेट सुनिधि लाइव कॉन्सर्ट है। इसे लेकर प्रोफेसर डॉ. धरेन्नावर ने शिकायत की थी, जिसमें आयोजकों को बच्चों की मौजूदगी में तंबाकू और शराब को बढ़ावा देने वाले गाने न बजाने और न गाने देने की प्रिवेंटिव एडवाइजरी करने की मांग की थी। इसी शिकायत के बाद गोवा चाइल्ड कमीशन ने सिंगर सुनिधि चौहान के लाइव कॉन्सर्ट को लेकर सख्त रुख अपनाया है।

तिरुवनंतपुरम नगर-निगम ने बीजेपी पर लगाया जुर्माना

● यहां बीजेपी का ही मेयर,पीएम के दौरे पर फ्लैक्स बोर्ड लगाने को लेकर पुलिस केस भी दर्ज

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर 19.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के केरल दौरे के दौरान शहर में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाने पर लगाया गया है। बोर्ड लगाने से क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। न्यूज एजेंसी के मुताबिक तिरुवनंतपुरम नगर निगम के सचिव की शिकायत के बाद कैंटोनमेंट पुलिस ने शुक्रवार देर रात बीजेपी जिला अध्यक्ष करमना जयन के खिलाफ मामला दर्ज किया। दिसंबर में हुए नगर निगम चुनाव में तिरुवनंतपुरम में बीजेपी ने 50 सीटें जीती थीं।

इसके बाद 26 दिसंबर को बीजेपी के वीवी राजेश को यहां का मेयर बनाया गया था। एफआईआर में केरल हाई कोर्ट के कई आदेशों और स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन का आरोप है। इसमें कहा गया कि बीजेपी जिला समिति ने प्रधानमंत्री के दौरे के हिस्से के रूप में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए। इससे पालियम जंक्शन से पुलिमूडु जंक्शन तक जनता को असुविधा हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

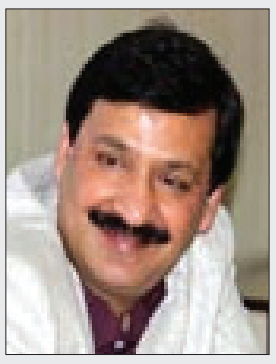

प्रो.संजय द्विवेदी

भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है।

आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना।

आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी जज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा।

आकांक्षावान भारत का उदयः

भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने

को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गईं हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं।

कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नजर आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाईं। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है। गणतंत्र को सार्थक करने के लिए हमें साधन संपन्नों और हाशिये पर खड़े लोगों को एक तल पर देखना होगा। क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब वह हिंदुस्तान के हर आदमी को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराए। कानून की नजर में हर आदमी समान है, यह बात नारे में नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए।

अंतिम आदमी का कीजिए विचार-

गणतंत्र के बारे में कहा जाता है कि वह सौ सालों में साकार होता है। भारत ने इस यात्रा की भी काफी यात्रा पूरी कर ली है। बावजूद इसके हमें डा. राममनोहर लोहिया की यह बात ध्यान रखनी होगी कि ह्यलोकराज लोकलाज से चलता है।ह्ण इसी के साथ याद आते हैं पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग, जिन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर भारतीय राजनीति को एक ऐसी दृष्टि दी है, जिसमें आम आदमी के लिए जगह है। यह दर्शन हमें दरिद्रनारायण की सेवा की मार्ग पर प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी भी अंतिम व्यक्ति का विचार करते हुए उसके लिए इस तंत्र में जगह बनाने की बात करते हैं। हमें सोचना होगा कि गणतंत्र के इन वर्षों में उस आखिरी आदमी के लिए हम कितनी जगह और कितनी संवेदना बना पाए हैं। प्रगति और विकास के सूचकांक तभी सार्थक हैं, जब वे आम आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाने में समर्थ हों। क्या ऐसा कुछ बताने और कहने के लिए हमारे पास है? यदि नहीं...तो अभी भी समय है भारत को महाशक्ति बनाना है, तो वह हर भारतीय की भागीदारी से ही सच होने वाला सपना है। देश के तमाम वंचित लोगों को छोड़कर हम अपने सपनों को सच नहीं कर सकते। क्या हम इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार हैं।

तलाशिए सवालों के जवाबः

गणतंत्र दिवस इन तमाम सवालों के जवाब खोजने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आया है। बीते समय में आतंकवाद, नक्सलवाद, क्षेत्रीयता की तमाम गंभीर चुनौतियों के सामने हमारा तंत्र बहुत बेबस दिखा। बावजूद इसके लोकतंत्र में जनता की आस्था बची और बनी हुयी है। हमारी एकता को तोड़ने और मन को तोड़ने के तमाम प्रयासों के बावजूद आम हिंदुस्तानी अपनी समूची निष्ठा से इस देश को एक देखना चाहता है। यह संकल्प लेना होगा कि हम लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को जगा पाएं। उनकी उम्मीदों पर अवसाद की परतें न चढ़ने दें। सपनों में रंग भरने की हिम्मत, ताकत और जोश से भरा हो- आम हिंदुस्तानी तो इसी सपने को सच होते हुए देखना चाहता है। यह संयोग ही है कि नया साल और गणतंत्र दिवस हम एक ही महीने जनवरी में मनाते हैं। जाहिर तौर पर हर नए साल का मतलब कलैंडर का बदलना भर नहीं है वह उत्सव है संकल्प का, अपने गणतंत्र में तेज भरने का। आम आदमी में जो भरोसा टूटता दिखता है उसे जोड़ने का। गणतंत्र को तोड़ने या कमजोर करने में लगी ताकतों के मंसूबों पर पानी फेरने का। जनवरी का महीना इसीलिए बहुत खास है क्योंकि यह महीना देश की अस्मिता को पहली बार झकझोर कर जगाने वाले सन्यासी विवेकानंद की जन्मतिथि(12 जनवरी) का महीना है। जिन्होंने पहली बार भारत के दर्शन को विश्वमंच पर मान्यता ही नहीं दिलायी हमारे दबे-कुचले आत्मविश्वास को जागृत किया। यह महीना है नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) का जिन्होंने विदेशी सत्ता के दांत खट्टे कर दिए और विदेशी भूमि पर भारतीयों के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सेना खड़ी की। जाहिर तौर पर यह महीना सही संकल्पों और महानायकों की याद का महीना है। इससे हमें प्रेरणा लेने और आगे बढ़ने की जरूरत है। नए साल का सूरज हमें एक नयी रोशनी दे रहा है उसका उजास हमें नई दृष्टि दे रहा है। क्या हम इस रोशनी से सबक लेकर, अपने महानायकों की याद को बचाने और देश को महाशक्ति बनाने के सपने के साथ खड़ा होने का हौसला दिखाएंगें?

संपादकीय

प्रदूषण बनाम टैरिफ

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है।

हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

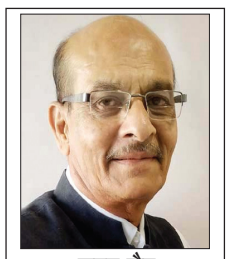

सनत जैन

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आईं हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब ह्लअमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्यायह्व की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है।

न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा।

लोकतंत्र की धड़कन राष्ट्रीय मतदाता दिवस और जागरूक नागरिक की भूमिका

कांतिलाल मांडोत

लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं बल्कि नागरिक चेतना का जीवंत उत्सव है, और इस उत्सव की सबसे मजबूत अभिव्यक्ति मतदान के माध्यम से होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहाँ करोड़ों लोग अपनी आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और सपनों को मतपत्र के जरिए अभिव्यक्त करते हैं, वहाँ मतदाता की भूमिका सर्वोपरि हो जाती है। इसी भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हर वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना की याद दिलाता है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को उसके संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य के प्रति सजग करने का भी अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुरूआत वर्ष 2011 में हुई थी। इसके पीछे निर्वाचन आयोग का स्पष्ट उद्देश्य था कि देश के हर पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल किया जाए और मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए। यह संयोग नहीं बल्कि एक सार्थक प्रतीक है कि 25 जनवरी को ही वर्ष 1950 में भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। तभी से यह दिन लोकतंत्र और चुनावी भागीदारी के उत्सव के रूप में संस्थागत रूप ले चुका है। आज यह आयोजन देश के कोने-कोने में, मतदान केंद्रों से लेकर जिला और राज्य मुख्यालयों तक, लाखों स्थानों पर बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

मतदान एक शक्तिशाली साधन है, जिसके माध्यम से नागरिक शासन प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से भाग लेते हैं। सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार ने भारत के लोकतंत्र को एक मजबूत आधार प्रदान किया है। इसके बावजूद यह एक कड़वी सच्चाई है कि आज भी देश के कई हिस्सों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहता है। सामाजिक संकोच, राजनीतिक उदासीनता, जानकारी का अभाव और कुछ विशिष्ट परिस्थितियाँ ऐसी हैं जो नागरिकों को मतदान से दूर रखती हैं। यही कारण है कि सहभागी लोकतंत्र की व्यापक प्रक्रिया कहीं-कहीं कमजोर पड़ती नजर आती है।

भारत निर्वाचन आयोग इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए समय-समय पर कई पहल करता रहा है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस और इसके साथ जुड़ा व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं चुनावी भागीदारी कार्यक्रम, जिसे एसडब्ल्यूईईपी के नाम से जाना जाता है, इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम का मूल मंत्र है कोई भी मतदाता पीछे न छूटे। इसके अंतर्गत युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और हाशिए पर मौजूद वर्गों को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विशेष रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य मतदाता पंजीकरण को प्रोत्साहित करना, उसे सरल बनाना और अधिकतम करना है, विशेष रूप से नए मतदाताओं के लिए। यह दिन मतदाताओं को समर्पित है और इसका उपयोग चुनावी प्रक्रिया में सूचित और जिम्मेदार भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। नए मतदाताओं को मतदाता पहचान पत्र प्रदान करना, उन्हें मतदान की प्रक्रिया समझाना और उनके भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों का बीजारोपण करना इस दिन की प्रमुख गतिविधियों में शामिल है।

इस अवसर पर मतदाताओं की शपथ की अवधारणा भी विशेष महत्व रखती है। यह शपथ नागरिकों को याद दिलाती है कि लोकतंत्र में उनका विश्वास केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि उनके आचरण में भी परिलक्षित हो। शपथ के माध्यम से मतदाता यह संकल्प लेते हैं कि वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावों की गरिमा बनाए रखेंगे और धर्म, जाति, समुदाय, भाषा या किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर मतदान करेंगे। यह सामूहिक शपथ नागरिक जिम्मेदारी और नैतिक भागीदारी की भावना को सशक्त करती है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन में जन जागरूकता और सहभागिता पर विशेष बल दिया जाता है। वर्ष 2021 में आयोजित 11वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन कोविड-19 की चुनौती के बीच भौतिक और आभासी कार्यक्रमों के संयोजन के रूप में किया गया। इस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भाग लिया। उस वर्ष का विषय था अपने मतदाताओं को सशक्त, सतर्क, सुरक्षित और सूचित बनाना,जो महामारी के दौर में सुरक्षित और नैतिक चुनावों की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

डिजिटल युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने इस अवसर पर कई अभिनव पहलें भी शुरू कीं। डिजिटल मतदाता पहचान पत्र यानी ई-ईपीआईसी की शुरूआत इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम था। अब मतदाता अपने मोबाइल फोन या कंप्यूटर के माध्यम से अपना पहचान पत्र डाउनलोड कर सकते हैं या स्वयं प्रिंट कर सकते हैं। वोटर हेल्पलाइन ऐप और राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल जैसी सुविधाओं ने मतदाता सेवाओं को और अधिक सुलभ बना दिया है। इसी क्रम में ह्वेरेडियो हेलो वोटर्सह्व जैसी 24 घंटे चलने वाली डिजिटल रेडियो सेवा की शुरूआत भी की गई, जिसका उद्देश्य विभिन्न भाषाओं में गीतों, नाटकों, चचाओं और पॉडकास्ट के माध्यम से मतदाता जागरूकता फैलाना है। यह पहल दशार्ती है कि लोकतांत्रिक शिक्षा अब केवल पुस्तकों या सभाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि आधुनिक संचार माध्यमों के जरिए जन-जन तक पहुँच रही है।राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर उत्कृष्ट चुनावी प्रक्रियाओं के लिए अधिकारियों, सरकारी विभागों और मीडिया संस्थानों को सम्मानित करना भी एक महत्वपूर्ण परंपरा बन चुकी है। इससे न केवल प्रशासनिक तंत्र का मनोबल बढ़ता है, बल्कि चुनावी व्यवस्था में निरंतर सुधार और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है। चुनाव आयुक्तों के अनुसार, इन आयोजनों का एक प्रमुख उद्देश्य नए और युवा मतदाताओं को प्रेरित करना है, ताकि वे स्वयं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा समझें।

वर्ष 2026 में भी राष्ट्रीय मतदाता दिवस उसी उत्साह और उद्देश्य के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन विशेष रूप से छात्रों और पहली बार मतदान करने वालों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युवा ही कल के नीति-निमार्ता और नेतृत्वकर्ता होंगे। यदि वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत और जीवंत रह पाएगा। छात्रों के लिए यह दिन यह समझने का अवसर है कि एक वोट किस प्रकार नीतियों, सरकारों और देश के भविष्य को दिशा दे सकता है।

देश के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के आयोजन स्थानीय संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप होते हैं। कहीं जागरूकता रैलियाँ निकलती हैं, कहीं नुक्कड़ नाटक और लोक प्रस्तुतियों के माध्यम से मतदाता शिक्षा दी जाती है। स्कूलों और कॉलेजों में वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को लोकतांत्रिक विमर्श से जोड़ा जाता है। शहरी क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों पर जोर होता है, तो ग्रामीण इलाकों में प्रत्यक्ष संवाद और सामुदायिक सहभागिता को प्राथमिकता दी जाती है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र को आत्मसात करने की एक सतत प्रक्रिया है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि अधिकार के साथ कर्तव्य भी जुड़ा होता है। यदि नागरिक सजग, सूचित और नैतिक होंगे, तो लोकतंत्र स्वतः सशक्त होगा। मतदान केवल एक दिन की क्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अंततः, राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने मताधिकार का उपयोग पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं। क्या हम केवल दर्शक बनकर रह गए हैं या सचमुच सहभागी नागरिक हैं। जब हर मतदाता यह समझ लेगा कि उसका एक वोट भी बदलाव की क्षमता रखता है, तभी लोकतंत्र अपनी पूर्णता को प्राप्त करेगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इसी जागरूकता की मशाल है, जो हर वर्ष हमें हमारे लोकतांत्रिक कर्तव्यों की याद दिलाती है और एक बेहतर, अधिक सहभागी भारत की ओर अग्रसर करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नौकरीपेशा व कारोबारियों को आयकर के मोर्चे पर भी राहत दे सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। आम बजट को लेकर केंद्र सरकार की तरफ से तैयारियां अंतिम दौर में हैं। माना जा रहा है कि बजट में आर्थिक सुधार और विकास पर केंद्रित होगी, लेकिन इसके साथ ही, केंद्र सरकार नौकरीपेशा व कारोबारियों को आयकर के मोर्चे पर भी थोड़ी राहत दे सकती है। संभावना जताई जा रही है कि आयकर व्यवस्था के तहत दो तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। पहला, न्यू टैक्स रिजीम के तहत मानक कटौती को बढ़ाया जा सकता है। दूसरा, 30 प्रतिशत कर स्लैब में बदलाव किया जा सकता है। नई आयकर व्यवस्था के तहत मौजूदा समय में 75 हजार रुपये की मानक कटौती मिलती है, जिसके बाद 12.75 लाख तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं लगता है। संभावना जताई जा रही है कि सरकार इसकी सीमा को बढ़ाकर एक लाख कर सकती है, जिसके बाद 13 लाख तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं लेगा। इससे नौकरीपेशा लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं, अभी तक टैक्स स्लैब के हिसाब से सालाना 24 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत का इनकम टैक्स लगता है, जिसको लेकर आम लोगों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की तरफ से सरकार को सुझाव दिया गया।

रिलायंस ने 16 सहायक कंपनियों का किया विलय

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने कारोबार में बड़ा बदलाव किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 16 स्टेप-डाउन पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनियों को अपनी क्लीन-एनर्जी शाखा, रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड में मिला दिया है। यह विलय 21 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गया है। रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड के अंतर्गत विलय की गई कंपनियों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रोलाइज़र निर्माण, एनर्जी स्टोरेज, कार्बन फाइबर सिलेंडर, हाइड्रोजन फ्यूल सेल और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं से जुड़ी इकाइयां शामिल हैं। इनमें रिलायंस पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, रिलायंस इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड, रिलायंस ग्रीन हाइड्रोजन एंड ग्रीन केमिकल्स लिमिटेड, रिलायंस न्यू एनर्जी स्टोरेज लिमिटेड, रिलायंस हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलिसिस लिमिटेड, रिलायंस हाइड्रोजन फ्यूल सेल लिमिटेड, कच्छ न्यू एनर्जी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड सहित कालंबोली स्थित तीन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां भी शामिल हैं। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 18,540 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती, उपभोक्ता उत्पाद कारोबार के अलग होने और त्योहारों की खरीद दो तिमाहियों में बंट जाने के कारण खुदरा कारोबार की आय में वृद्धि सीमित रही। हालांकि, ऊर्जा और डिजिटल कारोबार में मजबूत मार्जिन से मिले लाभ ने इस असर की काफी हद तक भरपाई कर दी।

अज़ीम प्रेमजी विवि में पोस्टग्रैजुएट डिप्लोमा प्रोग्रैम में प्रवेश शुरु

बेंगलूरु, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में शिक्षक व शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे पेशेवरों के लिए स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम में प्रवेश शुरु हो गए हैं। यह डिप्लोमा प्रोग्रैम अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु कैंपस में होगा। 2026 के प्रवेश के लिए तिथियाँ निम्नानुसार हैं, आवेदन की आख़िरी तारीख़ 12 फरवरी 2026, साक्षात्कार फरवरी 2026, कक्षाओं की शुरुआत 1 मार्च 2026 ऊपर दी गई तिथियों में कोई भी बदलाव हो सकता है। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए मोबाइल- 8971889988 संपर्क कर सकते हैं स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम में, आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, शैक्षणिक मूल्यांकन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, लर्निंग डिसाब्लेटी वाले बच्चों का पढ़ाने में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम की रूपरेखा- यह एक साल का पार्ट-टाइम स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम है। यह प्रोग्रैम सैद्धांतिक और व्यावहारिकपक्षों को ऑनलाइन और ऑफ़लाइन, इन दोनों तरीकों से साथ में सिखाया जाता है। यह प्रोग्रैम, सामान्य स्कूल सिस्टम में काम करने वालेउच्च स्तरीय पेशेवरों और शिक्षकों के लिए बनाया गया है। इस प्रोग्रैम की लचीली तासीर की वजह से कामकाजी पेशेवर अपना काम जारी रखते हुए भी इसमें प्रवेश लेकर सीख सकते हैं।

एएसएफइनसिग्निया ने अल्फा अल्टरनेटिव्स से 1,250 करोड़ पूंजी की प्रतिबद्धता हासिल की

संस्थागत पूंजी से बैलेंस शीट मजबूती होगी और गुरुग्राम कैंपस में दीर्घकालीन परिसंपत्ति वृद्धि को मदद मिलेगी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम की वत्सल वैली में रणनीतिक रूप से स्थित और दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम सीबीडी के साथ अच्छा संपर्क रखने वाले एक विशाल एकीकृत वाणिज्यिक आईटी कार्यालय कैंपस एएसएफ इनसिग्निया ने मुंबई मुख्यालय वाले अल्फा अल्टरनेटिव्स से करीब 1,250 करोड़ रुपये के इक्विटी और अर्ध-इक्विटी निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की है।

यह सौदा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली कार्यालय रीयल एस्टेट संपत्तियों में सतत संस्थागत रुचि परिलक्षित करता है।

यह निवेश कई हिस्सों में किया जाएगा जिसमें से करीब 450 करोड़ रुपये का पहला हिस्सा पहले ही प्राप्त हो चुका है। इस पूंजी का उपयोग ऋण में कमी के जरिए एएसएफ इकाइयों के पूंजी ढांचे में सुधार के लिए किया जाएगा। इससे लक्षित आधारभूत ढांचे और सुविधाओं को अपग्रेड करने, रिफाइनमेंट्स के निर्माण और पूरे कैंपस में अनुभवों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसका उद्देश्य लीजिंग की गति में जान फूंकना और इस संपत्ति को एक दीर्घकालीन प्रमुख वाणिज्यिक कार्यालय परियोजना के तौर पर पुनर्स्थापित करना है।

इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए एएसएफ इनसिग्निया के श्री अनिल सराफ ने कहा, अल्फा अल्टरनेटिव्स की ओर से यह निवेश एएसएफ इनसिग्निया के दीर्घकालीन आधारभूत सिद्धांतों और एक संस्थागत संचालित कार्यालय पारितंत्र के निर्माण की हमारी रणनीति को मजबूती प्रदान करता है। हमारा ध्यान बैलेंस शीट, संपत्ति की गुणवत्ता को मजबूत

करने और एक ऐसे कैंपस का निर्माण करने पर केंद्रित है जो बड़े उपक्रमों और वैश्विक क्षमता वाले केंद्रों की उभरती जरूरतों को किफायती लागत के आधार पर निरंतर पूरा करे। अल्फा अल्टरनेटिव्स के श्री कौशल बियानी ने कहा, अल्फा अल्टरनेटिव्स के दीर्घकालीन मूल्य सृजन के दर्शन, कठोर जोखिम प्रबंधन और पूरे बाजार चक्रों में सतत निष्पादन की तर्ज पर हम एएसएफ इनसिग्निया टीम के साथ साझीदारी को लेकर गौरवान्वित हैं क्योंकि वे वृद्धि के अगले चरण में प्रवेश करने जा रहे हैं। हमें व्यापक स्तर के करीब 45 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैले एक उच्च गुणवत्ता की कार्यालय संपत्ति में निवेश करते हुए खुशी है और हम श्री सराफ और एएसएफ इनसिग्निया टीम के साथ काम करके एएसएफ इनसिग्नियाकांप्लेक्स को पुनर्जीवित करने की दिशा में काम करेंगे। यह परियोजना गुणवत्ता और मूल्य का एक आकर्षक मिश्रण प्रस्तुत करती है और हम अग्रणी ऑफिस यूज़र्स के साथ गठबंधन को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि एएसएफ इनसिग्निया गुरुग्राम में एक भविष्योन्मुखी, एकीकृत कार्यालय परिसर के तौर पर उभर रही है। इस साझीदारी से पूर्व एएसएफ इनसिग्निया ने जेपी मॉर्गन के साथ संस्थागत गठबंधन किया था जिसने ढाई गुना रिटर्न दिया और यह दीर्घकालीन पूंजी निवेश के बल पर वृद्धि के एक नए चरण का प्रतीक है।

टैक्स प्रोडक्ट के तौर पर नहीं

डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने ईएलएसएस को एक अनुशासन टूल के तौर पर पेश किया

मुंबई, एजेंसी। यह सही है कि भारतीय इंवेस्टर्स के पास पहले से कहीं ज़्यादा इक्विटी प्रोडक्ट का ऐक्सेस है, लेकिन बाज़ार साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करना एक चुनौती बनी हुई है। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने एक ऐसे परिप्रेक्ष्य की ओर संकेत किया है जो इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) को मुख्य रूप से टैक्स-सेविंग उपकरणों के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रोडक्ट के रूप में दिखाता है जो लंबे समय तक इंवेस्टिग में व्यवहार संबंधी दूरी को कम करने में सहायता कर सकते हैं।

इंवेस्टर्स के बढ़ते सेगमेंट के लिए सेक्शन 80ष्ट के तहत टैक्स संबंधी विचार का कोई अर्थ नहीं होने के कारण ईएलएसएस ने हालिया बरसों में माइंडशेयर में कमी देखी है। हालाँकि, डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड का मानना है कि टैक्सेशन के अतिरिक्त कारणों के बावजूद ईएलएसएस की संरचनात्मक विशेषताएँ, विशेष रूप से अनिवार्य तीन साल का लॉक-इन, प्रासंगिकता बनाए रखते हैं। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड के हेड कंज़्यूमर ग्रोथ मार्केटिंग, मनीष राठी ने कहा, इंवेस्टर्स के परिणाम अक्सर प्रोडक्ट सिलेक्शन से कम और व्यवहार से ज़्यादा प्रभावित होते हैं। अस्थिरता की अवधि में, इंवेस्टर्स जल्दी बाहर निकलते हैं, गति का पीछा करते हैं या बाज़ार की शॉर्ट-टर्म उठा-पटक का जवाब देते हैं। ईएलएसएस की लॉक-इन सुविधा इंवेस्टर्स को साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करने के लिए प्रोत्साहित करके इन रुझानों को कम करने में मदद कर सकती है। डीएसपी के इंटरनल डेटा से यह संकेत मिलता है कि डिजिटल, डू-इट-योरसेल्फ़ इक्विटी इंवेस्टर्स के लिए औसत होल्डिंग अवधि लगभग 2.5 वर्ष है, जो आम तौर पर लॉन्ग-टर्म धन के सृजन के लिए ज़रूरत से कम है। इस संदर्भ में, ईएलएसएस अपने वैधानिक तीन साल के लॉक-इन और विविध इक्विटी एक्सपोज़र के साथ निर्माण और ऐतिहासिक परिणामों के संदर्भ में एक फ़्लेक्सिकैप-स्टाइल इक्विटी प्रोडक्ट की तरह काम करता है, जबकि लागू किया गया इंवेस्टमेंट अनुशासन का एक तत्व जोड़ता है। राठी ने कहा, यह ईएलएसएस को आज के इंवेस्टर के वातावरण के लिए प्रासंगिक बनाता है। जब स्वाभाविक झुकाव शॉर्ट-टर्म बाज़ार मूवमेंट पर प्रतिक्रिया करना है, तो एक प्रोडक्ट संरचना जो इंवेस्टर्स को लंबे समय तक इंवेस्ट करते रहने के लिए प्रेरित करती है।

न्युवोको विस्टास ने भारत मे प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट रेंज आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने अपने आर्टिस्ट डेकोरेटिव कॉंक्रीट

पोर्टफोलियो के तहत एक नई प्रीमियम रेंज, न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। आधुनिक निर्माण और लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट्स के लिए विकसित, एलीट कलेक्शन कलात्मक समझ को तकनीकी सटीकता के साथ जोड़ता है।

यह रेंज चार आधुनिक, इस्तेमाल के लिए तैयार डेकोरेटिव कॉंक्रीट फिनिश पेश करती है जो विश्वसनीय प्रदर्शन देते हुए खूबसूरती को बढ़ाती हैं। इसमें रिफाइंड टेक्सचर, आधुनिक पैटर्न और नेचुरल कलर रंग पैलेट्स हैं, जो वॉकवेज, ड्राइववे, लैंडस्केप एरिया, पोडियम और प्रीमियम आउटडोर और सेमी-आउटडोर जगहों के लिए बहुत उपयुक्त है। हर डिजाइन उच्च-गुणवत्ता वाली फिनिश और सरफेस डिटेलिंग के साथ तैयार किया गया है जो गहराई, बनावट और मटीरियल के कैरेक्टर को उजागर करता है, जिससे प्रोजेक्ट्स में एकरूपता सुनिश्चित होती है और डिजाइनरों और स्पेसिफायर्स को क्रिएटिव लचकता मिलती है। चिराग शाह, हेड, मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन सोच-समझकर, डिजाइन-आधारित सॉल्यूशंस पर हमारे फोकस को दर्शाता है। यह रेंज खूबसूरती, सस्टेनेबिलिटी और इस्तेमाल में आसानी को जोड़ती है, जिससे ग्राहक आत्मविश्वास के साथ खास जगहें बना सकते हैं। एलीट कलेक्शन आर्टिस्ट की एक प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट ब्रांड के रूप में स्थिति को मजबूत करता है।

वाहनों और डीजल जनरेटरों में ईंधन की बचत और प्रदूषण कम करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज का स्वदेशी हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट (एचडीएफके), जिसे कंपनी ने पेटेंट भी कराया है, वाहनों और डीजल जनरेटरों में उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधनकी खपत कम करने के लिए एक बेहद प्रभावी समाधान बनकर उभरा है। इस नवाचार को हाल ही में तब बड़ी सफलता मिली जब इसे विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित एक समारोह में बेस्ट इमर्जिंग हाइड्रोजन मोबिलिटी वेंचर के लिए प्रतिष्ठित एनर्शिया अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। आईआईटी दिल्ली में विकसित, एएचओडीएस हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट अपने आप में एक अनोखा आविष्कार है जो टेलपाइप उत्सर्जन (धुए) में 70 प्रतिशत तक की कमी और ईंधन में लगभग 20 प्रतिशत तक की बचत करता है। यह तकनीक ऑटोमोटिव, बिजली उत्पादन, भट्टियों, बॉयलर, कृषि मशीनरी और औद्योगिक अनुप्रयोगों सहित कई क्षेत्रों के लिए उपयोगी है, जो इसे स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने का एक व्यावहारिक और कारगर उपाय बनाती है। इस किट को विभिन्न उद्योगों जैसे कि पेय पदार्थ, विनिर्माण, वस्त्र और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में डीजल पावर जनरेटरों में सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है। विशेष रूप से, यह किट पुराने हो चुके वाहनोंके लिए एक विशेष और असरदार समाधान प्रदान करती है, जिससे वाहन बदले बिना ही प्रदूषण में भारी कमी लाई जा सकती है। औद्योगिक बॉयलरों में इस तकनीक का एकीकरण भी अब अंतिम चरण में है। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज ने एचडीएफके को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए नीतिगत सहयोग और समर्थन मांगने हेतु सीएक्यूएम,

सीपीसीबी और जीएनसीटीडी के समक्ष औपचारिक प्रस्तुतियां दी हैं और प्रस्ताव जमा किए हैं। एएचओडीएस डुअल फ्यूल किट, जिसे एडीएफके के नाम से भी जाना जाता है, ने नेत्रा टेक्नोलॉजी रेडिनेस लेवल (टीआरएल) 7 प्रमाणन प्राप्त कर लिया है और एमआईडीसी साइकिल के तहत इसका सफल व्हीकल चेसिस डायनेमोमीटर परीक्षण भी किया गया है। यह प्रणाली मॉड्यूलर है, अपने आप में पूर्ण है और इसे किसी बाहरी गैस सप्लाई इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता नहीं होती। यही खूबी इसे पहाड़ी और रेगिस्तानी इलाकों जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती है। एएचओडीएस समाधान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए इंजन में किसी भी तरह के बदलावकी जरूरत नहीं पड़ती। इसमें पीने के पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए मांग के अनुसार हाइड्रोजन तैयार की जाती है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने उद्योग में बनाई बढ़त

नई दिल्ली, 21 जनवरी 2026 — गर्मियों के पीक सीजन से पहले, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड , सबसे भरोसेमंद ब्रांड (इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में) ने घोषणा की है कि वह 2026 के नए ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) स्टार रेटिंग मानकों के पूरी तरह अनुरूप एयर कंडीशनरों की व्यापक रेंज पेश करने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल है।
एलजीईआईएल की यह अग्रिम पहल सुनिश्चित करती है कि भारतीय उपभोक्ताओं को आज ही सबसे उन्नत और ऊर्जा-कुशल कूलिंग तकनीक उपलब्ध हो सके। नए बीईई मानक ऊर्जा दक्षता के स्तर में एक बड़ा बदलाव दर्शाते हैं, जिससे पूरे उद्योग के लिए मानक और ऊंचे हो गए हैं और भारत को वैश्विक ऊर्जा प्रदर्शन मानकों के अनुरूप लाया गया है। एलजीईआईएल ने अपने पोर्टफोलियो को पहले ही अपग्रेड कर लिया है, जो उसकी स्थिरता और जिम्मेदार उत्पाद विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संजय चितकारा, को-चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर, टिप्पणी करते हुए कहा, जैसे-जैसे भारत सख्त ऊर्जा दक्षता मानकों की ओर बढ़ रहा है, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड इस बदलाव को शुरुआती अनुपालन और भविष्य के लिए तैयार उत्पाद नवाचार के माध्यम से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। नए बीईई मानकों के अनुरूप पहले से तैयार हमारे पोर्टफोलियो के साथ, एलजीईआईएल नए सीजन में पूरी तरह तैयार है कि वह अपने उपभोक्ताओं को भरोसेमंद, ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनिंग समाधान प्रदान करे।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड

मुंबई, एजेंसी।
भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक नया फंड ऑफर – एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड – लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है, जो बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स के घटकों में निवेश करता है। इस फंड का एनएफओ 23 जनवरी 2026 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 6 फरवरी 2026 को बंद होगा। इस फंड का प्रबंधन कार्तिक कुमार (फंड मैनेजर) करेंगे। न्यूनतम निवेश राशि 100 है। यह फंड निवेशकों को लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण का अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखता है। यह नया फंड निवेशकों को बीएसई 500 इंडेक्स के 21 क्षेत्रों की भारत की प्रमुख कंपनियों में व्यापक निवेश करने का एक समझदारी भरा तरीका प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस फंड में बीएसई 500 इंडेक्स के प्रत्येक 21 सेक्टरों से उनकी औसत छह महीने की दैनिक टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर शीर्ष तीन कंपनियों को

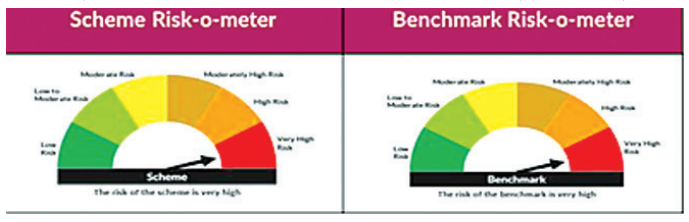

शामिल किया जाएगा। यह निवेशकों को भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अपने डोमेन की स्थापित दिग्गज कंपनियों तक पहुँच प्रदान करता है। यह फंड निवेशकों को न केवल इंडेक्स के प्रमुख क्षेत्रों, बल्कि अर्थव्यवस्था के उभरते हुए क्षेत्रों में भी निवेश करने में मदद करता है। इस नए फ़ंड के लॉन्च के अवसर पर, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ, बी. गोपकुमार ने कहा, जैसे-जैसे बाज़ार विकसित हो रहे हैं, निवेशक निवेश के नए और आधुनिक समाधान तलाश रहे हैं। एक्सिस म्यूचुअल फंड में हमारा मानना है कि जो कंपनियाँ अपने सेगमेंट का नेतृत्व करती हैं, उनमें मज़बूत बुनियादी ढाँचा और लचीलापन होता है। एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड एक विविध ढांचे के माध्यम से अपने क्षेत्र की अग्रणी और भरोसेमंद कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करता है। हमारा मानना है कि यह फंड निवेशकों को भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था और भविष्य में भागीदारी करने का मौका देगा।

सेक्टर लीडर्स में निवेश- यह फंड उन निवेशकों के लिए बनाया गया है जो विभिन्न सेक्टरों में स्थापित लीडर कंपनियों के जरिए व्यापक बाजार एक्सपोज़र चाहते हैं। बीएसई 500 इंडेक्स के आधार पर, यह 21 सेक्टरों में से प्रत्येक के शीर्ष तीन कंपनियों में निवेश करेगा। इन सेक्टरों में वित्तीय सेवाएं, सूचना प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्र, कमोडिटीज़, एफएमसीजी, हेल्थकेयर आदि शामिल हैं।

इंडेक्स संरचना- यह फंड लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में विविध निवेश प्रदान करता है, जिससे अत्यधिक एकाग्रता का जोखिम कम होता है और सेक्टर के आकार की परवाह किए बिना उचित वेटेज मिलता है। इसका पुनर्गठन हर छह महीने में किया जाएगा, जिससे पोर्टफोलियो का समय-समय पर संतुलन बना रहे।

संतुलित जोखिम- इस इंडेक्स में प्रत्येक स्टॉक का न्यूनतम वेटेज 1% और अधिकतम वेटेज 5% तय है।

रणबीर कपूर बने पीएनजी ज्वेलर्स के नए ब्रांड एंबेसडर, विरासत और आधुनिकता के नए अध्याय की शुरुआत

मुंबई, एजेंसी।
वर्ष 1832 से चली रही विरासत और भारत के सबसे प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांड्स में से एक, पीएनजी ज्वेलर्स ने बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है. परंपरा, विश्वासार्हता और आधुनिक आकर्षण के साथ रणबीर कपूर पीएनजी ज्वेलर्स की सफर में एक रोमांचक नया अध्याय जोड़ते हैं, क्योंकि ब्रांड अपनी राष्ट्रीयमौजूदगी को और मजबूत कर रहा है. महाराष्ट्र में स्थापित और अब पूरे भारत व विदेशों में आत्मविश्वास के साथ विस्तार कर रहा पीएनजी ज्वेलर्स, डॉ. सौरभ गाडगीळ के नेतृत्व में एक स्पष्ट और दूरदर्शी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है. रणबीर कपूर के साथ यह साझेदारी ब्रांड के विकास को दर्शाती है, साथ ही अपने मूल्यों विश्वास, कारीगरी और विरासत से इसकी गहरी जुड़ाव को भी बनाए रखती है. बॉलीवुड के प्रतिष्ठित कपूर परिवार की सबसे युवा

पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले रणबीर की फिल्मी विरासत और उनकी हिंदी फ़िल्म प्रेमियों के बीच उनके बड़े फैन की संख्या इस सहयोग को पीएनजी ज्वेलर्स के अगले विकास पड़ाव के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है, जो भारत के सभी आयु वर्गों को जोड़ने में मदद करेगी. जनवरी 2026 से शुरू होने वाला यह सहयोग, रणबीर कपूर को मौजूदा ब्रांड फेस के साथ पीएनजी ज्वेलर्स का एंबेसडर बनाएगा। उनकी भूमिका राष्ट्रीयस्तर पर ब्रांड की पहचान को मज़बूत करने,भरोसा बढ़ाने और एंडोर्समेंट, एडवोकेसी और ब्रांड से जुड़ी पहलों के ज़रिए पीएनजी ज्वेलर्स की विरासत को और व्यापक बनाने पर केंद्रित होगी. हालांकि इस सहयोग के तहत किसी विशेष कलेक्शन का लॉन्च नहीं किया जा रहा है, लेकिन यह साझेदारी ब्रांड की दीर्घकालिक विकास रणनीति और राष्ट्रीय रिटेल विस्तार में एक महत्वपूर्ण संकेत है. इस सहयोग पर बोलते हुए अभिनेता रणबीर कपूर ने कहा, पीएनजी ज्वेलर्स एक ऐसी विरासत का प्रतीक है जो पीढ़ियों से चली आ रही है,जो विश्वास व मूल्यों पर आधारित है, जो सच में मुझसे मेल खाते हैं . अपनाने वाले इस ब्रांड का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद स्वाभाविक है, और इस सफर में उनके साथ जुड़कर मुझे गर्व महसूस हो रहा है. इस साझेदारी को लेकर अपनी खुशी और इसके ब्रांड पर दूरगामी प्रभाव को साझा करते हुए पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, रणबीर कपूर विरासत और आधुनिक आकांक्षाओं का एक आदर्श संतुलन प्रस्तुत करते हैं.

AkzoNobel Dulu& (JSW) के Joint मैनेजिंग डायरेक्टर एवं CEO ने सूरत और नवसारी का दौरा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

Rajiv Raj Gopal, Joint मैनेजिंग डायरेक्टर एवं CEO, AkzoNobel Dulu& (JSW), ने हाल ही में सूरत और नवसारी बाजारों का दौरा किया, जहाँ उन्होंने प्रमुख डीलरों से मुलाकात कर कंपनी के पार्टनर कनेक्ट को और मजबूत किया।

सूरत एयरपोर्ट पर आगमन के दौरान श्री गोपाल ने कंपनी की प्रीमियम इंटीरियर इमल्शन 'Velvet Touch' की टैगलाइन का उल्लेख करते हुए कहा, 'यहाँ आना घर लौटने जैसा लगता है,' जो इस क्षेत्र के साथ ब्रांड के मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है।दौरे के दौरान उन्होंने अग्रणी डीलरों के साथ संवाद किया और AkzoNobel Dulu& (JSW) की एसोसिएशन के बाद की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने तेज़ और आक्रामक बाजार विस्तार दृष्टिकोण पर जोर देते हुए बेहतर उत्पाद पेशकश, सशक्त गो-टू-मार्केट पहल और निरंतर ब्रांड निवेश के माध्यम से एक मजबूत, डीलर-केंद्रित इकोसिस्टम के निर्माण पर बल दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीसरे टी20 में अजेय बढ़त पर टीम इंडिया की नजर

-संजू सैमसन की परीक्षा और ईशान किशन की चुनौती

गुवाहाटी (एजेंसी)। पहले दोनों मुकाबले आसानी से जीतकर आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जहां भारत की नजर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, वहीं सबसे ज्यादा चर्चा संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर है, क्योंकि पिछले मैच में ईशान किशन की विस्फोटक वापसी ने टीम संयोजन को लेकर बहस तेज कर दी है। किशन की शानदार पारी के बाद यह सवाल फिर से खड़ा हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए टीम प्रबंधन किस पर भरोसा जताएगा।

टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और मैच खेलने हैं। ऐसे में भारतीय टीम का ढांचा काफी हद तक तय नजर आता है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में टीम ने अब तक संतुलित प्रदर्शन किया है, लेकिन कुछ स्थानों को लेकर असमंजस बना हुआ है, जिनमें संजू सैमसन का स्थान सबसे अहम माना जा रहा है। पिछले मैच में ईशान किशन ने मात्र 32 गेंदों पर 76 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर अपनी दावेदारी मजबूत की और सैमसन पर दबाव और बढ़ा दिया।

शुभमन गिल को टी20 प्रारूप में अपेक्षित प्रभाव न छोड़ पाने के कारण बाहर कर अभिषेक शर्मा के साथ सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में मौका दिया गया था, लेकिन केरल के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों का पूरा फायदा नहीं उठाया है। पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी के बावजूद उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी साफ दिखी है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में वह तेज गेंदबाजों के सामने बार-बार आउट हुए थे और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पहले दो मैचों में केवल 10 और छह रन ही बना सके। भारत के पूर्व बल्लेबाज डब्ल्यूवी रमन ने भी उनके आउट होने के तरीके पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक सैमसन गेंद की गति के अनुसार अपने शॉट चयन और बल्ले की रफ्तार में बदलाव नहीं करेंगे, तब तक उनसे निरंतर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना मुश्किल होगा।

भारत के लिए राहत की बात यह है कि

कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पुरानी लय में लौटते दिखे हैं। उन्होंने पिछले मैच में 37 गेंदों पर 82 रन की पारी खेलकर लंबे समय बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्धशतक जड़ा। अभिषेक शर्मा हालांकि पिछली मैच की पहली गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन वह इस मुकाबले में बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। पिछले मैच में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम दो विकेट पर छह रन तक सिमट गई थी, लेकिन इसके बाद किशन की आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और भारत ने 28 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शुरुआती ओवरों में रन जरूर लुटाए, लेकिन कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने बीच के ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी कर टीम को मजबूती दी। टीम प्रबंधन की नजर अक्षर पटेल की उंगली की चोट पर भी रहेगी और उम्मीद है कि उन्हें विश्व कप से पहले पर्याप्त मैच अभ्यास मिल सके। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पिछले मैच में आराम दिया गया था और इस मुकाबले में उनकी वापसी की संभावना है, क्योंकि कम अंतराल में मैच होने के चलते तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है।

न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मुकाबला सम्मान बचाने जैसा होगा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी वाली टीम इस करारी हार के बाद रणनीति में बदलाव कर सकती है और डैरिल मिचेल को ऊपर के क्रम में भेजने पर विचार कर सकती है। हालांकि उसकी आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस सीरीज में निराशाजनक रही है और कई आसान कैच छूटे हैं। यदि न्यूजीलैंड को वापसी करनी है तो उसे इस विभाग में तुरंत सुधार करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

साइना नेहवाल के संन्यास पर विराट कोहली सहित दिग्गजों ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज साइना नेहवाल ने अपने लंबे और सफल करियर के बाद खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इस खबर के बाद भारतीय खेल जगत में प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, सायना नेहवाल, आपके शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय बैडमिंटन को दुनिया भर में पहचान दिलाई। आपको एक खुशहाल, संतोषजनक और अच्छे संन्यास की शुभकामनाएं। भारत को आप पर गर्व है। वहीं, दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकी बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने लिखा, सायना, आपको संन्यास की शुभकामनाएं। इंडियन बैडमिंटन में आपने जो कुछ भी दिया है, उसके लिए धन्यवाद। जिंदगी के इस अगले पड़ाव के लिए आपको शांति, खुशी और ढेर सारी शुभकामनाएं। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी सोशल मीडिया पर साइना को उनके करियर और संन्यास पर बधाई दी और लिखा, बहुत बढ़िया खेला, साइना। शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय बैडमिंटन को आगे बढ़ाया और एक पीढ़ी को प्रेरित किया। आगे जो भी हो, उसके लिए आपको शुभकामनाएं।

साइना ने अपने संन्यास की वजह इंजरी को बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक घुटनों की समस्या और आर्थराइटिस की वजह से उन्हें अब उच्च स्तर की ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा जारी रखना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, आप दुनिया में बेस्ट बनने के लिए आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग करते हैं। अब, मेरे घुटने एक या दो घंटे में ही जवाब दे जाते थे। सूजन आ गई थी, और उसके बाद जोर लगाना बहुत मुश्किल हो गया था। इसलिए मुझे लगा कि बस बहुत हो गया।

सायना नेहवाल भारतीय बैडमिंटन की पहली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। इसके अलावा, उन्होंने 2008 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने और 2009 में इंडोनेशिया ओपन जीतने का रिकॉर्ड बनाया। 2015 में साइना दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनीं और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनीं। साइना ने भारतीय बैडमिंटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से स्थापित किया और उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड जैसी कई प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जा चुका है। उनके योगदान और उपलब्धियों के कारण उन्हें खेल जगत में हमेशा याद किया जाएगा।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला टेस्ट टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए महिला टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां भारतीय महिला क्रिकेट टीम वनडे, टी20 और टेस्ट तीनों सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई ने इससे पहले वनडे और टी20 टीम का ऐलान कर दिया था, लेकिन अब इस दौरे पर होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा भी कर दी गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला टेस्ट मैच पर्थ में 6 से 9 मार्च 2026 तक खेला जाएगा। इस मैच में हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान के तौर पर टीम का नेतृत्व संभालेंगी। टेस्ट टीम में रिचा घोष, उमा छेत्री, प्रतिका रावल और अन्य कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं, जो इस मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस दौरे पर वनडे और टी20 टीम में भी एक बदलाव हुआ है। विकेटकीपर जी. कमलिनी किसी कारणवश भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं। उनके स्थान पर सेलेक्टर्स ने उमा छेत्री को वनडे और टी20 इंटरनेशनल टीमों में शामिल किया है। बीसीसीआई का यह फैसला टीम की मजबूती और विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने की दिशा में लिया गया है। हरमनप्रीत और स्मृति जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि रिचा घोष और प्रतिका रावल जैसी युवा प्रतिभाएं टीम में ताजगी और ऊर्जा भरेंगी।

ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए यह दौरा चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि पर्थ का विकेट तेज और उछाल वाला होता है, जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए तकनीकी दक्षता की मांग करता है। भारतीय महिला टीम की उम्मीद है कि यह दौरा उनके लिए अनुभव और सफलता दोनों लेकर आएगा।

बांग्लादेश की निकली अकड़... टी20 वर्ल्ड कप से हुआ बाहर

-आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को किया टूर्नामेंट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने बांग्लादेश को आइना दिखाते हुए टी20 विश्व कप 2026 से बाहर कर दिया है। शनिवार को आईसीसी ने आधिकारिक पत्र जारी कर बांग्लादेश को बाहर करने का फैसला सुनाया। चार जनवरी से चले आ रहे हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद आखिरकार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। इससे बोर्ड के साथ-साथ वहां के खिलाड़ियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को आधिकारिक तौर पर जानकारी दे दी है कि उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर किया जा चुका है और स्कॉटलैंड से रिप्लेस किया गया है। बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप में भारत का दौरा करने से मना किया था और सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। यह पूरा मामला मुस्तफिजुर रहमान

को आईपीएल 2026 से बाहर करने के बाद उठा था।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने वैश्विक संस्था को आधिकारिक रूप से सूचित करने से पहले ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी, जो प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। उन्हें साफ तौर पर बताया गया कि उन्हें रिप्लेस किया जा रहा है। बांग्लादेश के खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरुल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की यात्रा नहीं करने की बात कही थी, जबकि आईसीसी की ओर से बार-बार सुरक्षा को लेकर आश्वासन दिया गया था। उधर क्रिकेट स्कॉटलैंड ने कहा है कि उन्हें अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन माना जा रहा है कि यह सिर्फ समय की बात है और उन्हें जल्द सूचना दे दी जाएगी।

भारत में स्कॉटलैंड को खेलने हैं चार मैच

मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, बांग्लादेश को अपने लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलने थे। लेकिन अब उसकी जगह स्कॉटलैंड ग्रुप सी का हिस्सा बन गया है और कार्यक्रम के अनुसार तय मुकाबले खेलेगा। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अन्य टीम को मौका मिला है। साल 2009 में जब जिम्बाब्वे ने इंग्लैंड में हुए टी20 विश्व कप से हटने का निर्णय लिया था, तब स्कॉटलैंड को शामिल किया गया था। अब बांग्लादेश ने अपनी जिद पर कायम रहते हुए टी20 विश्व कप के मुकाबले भारत में खेलने से इन

टी20 विश्वकप में अभिषेक होंगे भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड : शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि आगामी टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे। इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं। उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं। इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा। उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है। उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है। वह मैदान में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है। शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की सबसे बड़ी ताकत उकसा आत्मविश्वास है। वह घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलने से और भी खतरनाक हो जाता है। साथ ही कहा, अगर अभिषेक रन बनाते हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि भारत मैच में आगे बना रहेगा रहेगा। इससे अंदाजा होता है कि अब भारतीय टीम की सफलता काफी कुछ अभिषेक की बल्लेबाजी पर आधारित रहती है।

देश में टेनिस प्रतिभाओं को आगे लाना चाहते हैं पेस

कोलकाता। ओलंपिक पदक विजेता दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस का लक्ष्य देश में टेनिस सहित अन्य खेलों की प्रतिभाओं को आगे लाना है। पेस का कहना है कि वह एक टेनिस अकादमी खोना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'टेनिस मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह वह खेल और माध्यम है जिसे मैंने चुना है, और इसने मुझे मेरा जीवन दिया है आज मैं जहां भी पहुंचा हूं उसे पीछे यही खेल है। बंगाल टेनिस में कदम जमाने के बाद मेरा लक्ष्य एक पेशेवर अकादमी और ऐसा बुनियादी ढांचा स्थापित करना है जो ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे। यह उस कार्य का हिस्सा है जिसे मैंने अभी शुरू किया है, और जल्द ही आप मुझे पूरे देश में टेनिस के विकास में और अधिक सक्रिय रूप से शामिल होते देखेंगे। मुझे लगता है कि टेनिस के खेल को बढ़ावा देने के लिए मैं बहुत कुछ कर सकता हूं। इसलिए, मैं टेनिस और अन्य खेलों के माध्यम से पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।' पुरुष युगल में तीन-तीन बार फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन, एक-एक बार ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन जीतने वाले लिएंडर, जिनमें से चार खिताब उन्होंने महेश भूपति के साथ जीते हैं, और 10 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम करने वाले टेनिस इतिहास के सबसे सफल भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं। पेस ने अटलांटा में आयोजित 1996 के ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वह ओलंपिक में टेनिस में पदक हासिल करने वाले पहले एशियाई बने।

एचआईएल : फाइनल की जंग में हैदराबाद तूफान्स और रांची रॉयल्स के बीच करो या मरो मुकाबला

भुवनेश्वर (एजेंसी)। एचआईएल के फाइनल की तस्वीर रविवार को और साफ हो जाएगी, जब हैदराबाद तूफान्स और रांची रॉयल्स क्वालिफायर-2 के 'करो या मरो' मुकाबले में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम सोमवार को खिताबी मुकाबले में क्वालिफायर-1 की विजेता और लीग तालिका में शीर्ष पर रही कलिंगा लांसर्स से भिड़ेगी, जबकि हारने वाली टीम को एचआईएल जीसी के खिलाफ तीसरे-चौथे स्थान का मैच खेलना होगा।

एलिमिनेटर से आत्मविश्वास लेकर उतरेगी तूफान्स

हैदराबाद तूफान्स ने एलिमिनेटर मुकाबले में एचआईएल जीसी को 2-0 से हराकर क्वालिफायर-2 में जगह बनाई। इस मैच में टीम ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और मिले मौकों का पूरा फायदा

उठाते हुए फाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा।

करीबी हार के बाद वापसी की तलाश में रॉयल्स

रांची रॉयल्स क्वालिफायर-1 में कलिंगा लांसर्स से बेहद रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हारकर यहां पहुंची है। यह मैच आखिरी पलों तक बराबरी का रहा, जिससे साफ है कि रॉयल्स के पास वापसी की पूरी क्षमता मौजूद है।

कप्तानों का बयान: दबाव में भी भरोसा कायम

हैदराबाद तूफान्स के कप्तान सुमित ने कहा, 'हम आक्रामक हॉकी खेलने के लिए जाने जाते हैं और एलिमिनेटर में भी हमने यही रणनीति अपनाई थी। क्वालिफायर-2 में भी हम उसी इरादे के साथ उतरेंगे। 'करो या मरो' जैसे हालात अब हमारे लिए सामान्य हो गए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि टीम का फोकस मजबूत शुरुआत करने और जल्दी गोल करने पर रहेगा, ताकि आत्मविश्वास बढ़ाया जा सके।

वहीं, रांची रॉयल्स के कप्तान टॉम बून ने कहा, 'लांसर्स के खिलाफ मुकाबला बेहद करीबी था, लेकिन अब हमारा पूरा ध्यान अगले मैच पर है। हमारे पास अभी एक और मौका है और यही सबसे अहम है। हम अपनी कमियों का विश्लेषण कर बेहतर वापसी करेंगे।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि हैदराबाद एक मजबूत टीम है, लेकिन रॉयल्स को अपनी गुणवत्ता और खेल पर पूरा भरोसा है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : नाओमी ओसाका चोट के कारण तीसरे दौर से हटीं

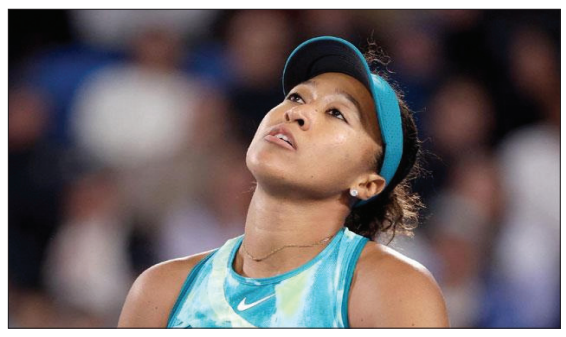

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)। जापानी स्टार नाओमी ओसाका ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर से पहले मैच से हटने का फैसला किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन को तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस से खेलना था। इस तरह उनका फैशन और विवादों भरा अभियान यहीं समाप्त हो गया। ओसाका ने सोशल मीडिया पर घोषणा की, लेकिन चोट की पूरी जानकारी नहीं दी। इंस्टाग्राम पर उन्होंने लिखा कि पिछले मैच के बाद उन्हें 'अपने शरीर की एक समस्या पर ध्यान देना है, जिसे इलाज की जरूरत है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी, और यह सफर मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता था। इसलिए यहां रुकना मेरे लिए दिल तोड़ने वाला है। लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती।' टूर्नामेंट द्वारा जारी बयान में ओसाका ने बताया कि उन्हें पेट के बाईं ओर दिक्कत थी। उन्होंने कहा, 'यह चोट पहले भी हो चुकी है, मैंने पिछला मैच दर्द के साथ खेला। आज वार्म-अप के दौरान दर्द ज्यादा बढ़ गया। मुझे और जांच करवानी होगी।' ओसाका ने यह भी कहा कि गर्भावस्था के बाद उनके शरीर में बदलाव आए हैं, इसलिए उन्हें सावधानी बरतनी होगी। उनकी बेटी शाई का जन्म 2023 में हुआ था। ओसाका 2024 में प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटी और पिछले साल अमेरिकी ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत में उनकी एंट्री वायरल हो गई थी। वह अपने पहले दौर के मैच में चौड़ी टोपी, घूंघट और सफेद छाते के साथ कोर्ट पर आई थीं। दूसरे दौर में उन्होंने सोराना क्रिस्टिया को 6-3, 4-6, 6-2 से हराया। अब इंग्लिस का सामना इगा स्वियातेक से होगा, जिन्होंने अन्ना कालिंस्काया पर 6-1, 1-6, 6-1 से जीत दर्ज की।

भारतीय फुटबॉलर मनीषा ने पेरु के क्लब से किया करार

लीमा । भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण अब पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर भी हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। ''साथ ही कहा, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका ध्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास, फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व विश्व नंबर-1 नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। शनिवार को उन्होंने डच खिलाड़ी बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचुल्प को सीधे सेटों में हराकर ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 400 मैच जीतने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए।

दस बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच ने मुकाबले में दबाव के अहम पलों में संयम बनाए रखा और 6-3, 6-4, 7-6(4) से जीत दर्ज कर मेलबर्न पार्क में 21 में से 18वीं बार चौथे दौर में जगह बनाई। खासतौर पर तीसरे सेट के टाईब्रेक में उनका अनुभव और नियंत्रण निर्णायक साबित हुआ।

फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी

जोकोविच की यह 400वीं ग्रैंड स्लैम जीत मेलबर्न में और भी खास रही, क्योंकि इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में 102 मैच जीतने के रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। एटीपी के अनुसार, यह उपलब्धि उन्हें ओपन युग के महान खिलाड़ियों की सूची में और मजबूत करती है।

फिटनेस और आगे की चुनौती पर बोले जोकोविच

मैच के बाद ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में जोकोविच ने कहा कि वह टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत से खुश हैं, लेकिन अभी खुद को आगे नहीं देख रहे।

'मैं पिछले साल से सबक सीख चुका हूं। मैं खुद को जरूरत से ज्यादा आगे नहीं सोच रहा। ये युवा खिलाड़ी मुझे कड़ी चुनौती दे रहे हैं, लेकिन मैं अभी भी यहां हूं और डटा हुआ हूं,' उन्होंने कहा।

अगला मुकाबला और संभावित सेमीफाइनल

जोकोविच अब अगले दौर में याकुब मेंसिक या इथन क्विन से भिड़ेंगे। मेलबर्न में अब तक एक भी सेट गंवाए बिना खेल रहे जोकोविच संभावित सेमीफाइनल से सिर्फ दो जीत दूर हैं, जहां उनका सामना मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर से हो सकता है। सिनर ने भी पहले चौथे दौर में पहुंचने के लिए कड़े मुकाबले में ऐंटन से जूझते हुए जीत दर्ज की।

मुकाबले का रोमांच

पिछले साल इंडियन वेल्स में वैन डी ज़ैंड्सचुल्प से मिली हार को ध्यान में रखते हुए जोकोविच ने आक्रामक शुरुआत की। पहले सेट में उन्होंने 12 विनर्स लगाए और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर किए। दूसरे सेट में डच खिलाड़ी को कंधे की समस्या के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। तीसरे सेट में खुद जोकोविच भी फिसलने के बाद मेडिकल सहायता लेने को मजबूर

हुए, लेकिन उन्होंने 5-6 पर दो सेट पॉइंट बचाते हुए मुकाबले को अपने नाम किया। दो घंटे 44 मिनट चले इस मैच के बाद हेड-टू-हेड में जोकोविच ने 2-1 की बढ़त बना ली।

नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई । भारत अगले माह फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा। ये मैच सात-आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे। डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी। तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

रवांडा में एआई तकनीक से क्लिनिक सुधार की शुरुआत

किगाली , एजेंसी। रवांडा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आधारित तकनीक का परीक्षण शुरू करने का फैसला किया है। यह योजना गेट्स फाउंडेशन और ओपनएआई की साझेदारी से चलाई जा रही है, जिसके तहत देश के 50 से ज्यादा स्वास्थ्य क्लिनिकों में इस नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका मकसद डॉक्टरों और नर्सों के काम को आसान बनाना और मरीजों को जल्दी व सही इलाज दिलाना है। रवांडा में एक स्वास्थ्य कर्मी पर करीब 1,000 मरीजों का बोझ है, जबकि दुनिया में आदर्श अनुपात 4 स्वास्थ्य कर्मी प्रति 1,000 मरीज माना जाता है। ऐसे में एआई तकनीक से मरीजों की जानकारी संभालने, रिपोर्ट तैयार करने और इलाज से जुड़े फैसलों में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार का कहना है कि यह तकनीक डॉक्टरों की जगह नहीं लेगी, बल्कि उनके काम को और मजबूत बनाएगी। गेट्स फाउंडेशन और ओपनएआई ने इस परियोजना के लिए दो साल में 50 मिलियन डॉलर देने की घोषणा की है। बिल गेट्स ने कहा कि गरीब देशों में, जहां स्वास्थ्य संसाधन कम हैं, वहां एआई एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे इलाज तक लोगों की पहुंच बढ़ेगी और स्वास्थ्य असमानता कम होगी। हालांकि कुछ विशेषज्ञों को चिंता है कि यह तकनीक अंग्रेजी भाषा पर आधारित है, जबकि रवांडा में अधिकतर लोग किन्यारवांडा भाषा बोलते हैं। डिजिटल विशेषज्ञ ऑडासे नियोंकूरु ने कहा कि अगर एआई स्थानीय भाषा में काम नहीं करेगा तो इलाज में दिक्कतें आ सकती हैं। सरकार और तकनीकी कंपनियां अब इसे किन्यारवांडा भाषा में विकसित करने पर काम कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला, विदेशी सहायता पर सख्ती और बढ़ेगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने विदेशी सहायता से जुड़े नियमों को और सख्त करने का फैसला किया है। अब अमेरिका उन संस्थाओं को भी मदद नहीं देगा जो गर्भपात सेवाओं के साथ-साथ जेंडर आइडेंटिटी या डीईआई (डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन) कार्यक्रमों को बढ़ावा देती हैं। पहले यह रोक केवल गर्भपात से जुड़ी सेवाओं तक सीमित थी। इस नीति को मेक्सिको सिटी पॉलिसी कहा जाता है, जिसे सबसे पहले राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने लागू किया था। ट्रंप प्रशासन ने इसके दायरे को और बढ़ा दिया है। नए नियमों से करीब 30 अरब डॉलर की विदेशी सहायता प्रभावित हो सकती है, जो अंतरराष्ट्रीय संगठनों और एजेंसियों को दी जाती है। मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे दुनिया के गरीब देशों में महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को मिलने वाली जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। ह्यूमन राइट्स कैंपेन की अध्यक्ष ने कहा कि यह फैसला राजनीति को इंसानी जीवन से ऊपर रखता है। हालांकि ट्रंप प्रशासन का कहना है कि अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे का इस्तेमाल उन नीतियों पर नहीं होना चाहिए जो उनकी विचारधारा के खिलाफ हैं।

दक्षिण अफ्रीका में स्कूल बस हादसा, मौत का आंकड़ा 14 पहुंचा

गाउतेंग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के गाउतेंग प्रांत में हुए दर्दनाक स्कूल बस हादसे में मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। गुरुवार को दो किशोर छात्राओं की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह हादसा सोमवार सुबह उस समय हुआ था जब एक निजी मिनीबस 16 छात्रों को स्कूल छोड़ने जा रही थी और उसकी एक ट्रक से टक्कर हो गई थी। हादसे में मौके पर ही 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इसके अलावा बस चालक और ट्रक में बैठे एक यात्री सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। कुछ घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन अब भी दो बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मृतक छात्राएं काफी गंभीर हालत में थीं और उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस मामले में बस चालक अयांडा दलदला पर पहले लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया था।

अमेरिका में भीषण बर्फीले तूफान की चेतावनी, करोड़ों लोग अलर्ट पर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कई राज्यों में एक बेहद खतरनाक बर्फीला तूफान आने की चेतावनी दी गई है। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक करीब 10 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की मौसम चेतावनी के दायरे में हैं। यह तूफान न्यू मैक्सिको से लेकर कैरोलाइना तक और फिर पूर्वी तट के बड़े शहरों तक असर डाल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में आधा इंच तक बर्फ जम सकती है, जिससे पेड़ गिरने, बिजली के खंभे टूटने और लंबे समय तक बिजली गुल रहने का खतरा है। वॉशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क और बोस्टन जैसे शहरों में एक फुट तक बर्फ गिरने की आशंका जताई गई है। तूफान के कारण हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हो सकती हैं और सड़कों पर यात्रा बेहद खतरनाक हो जाएगी।

अमेरिका में 5 साल के बच्चे को हिरासत में लिया

स्कूल से लौटते समय गाड़ी से उतारा, फिर पिता गिरफ्तार; डिटेंशन सेंटर भेजा

मिनेसोटा, एजेंसी। मिनेसोटा के कोलंबिया हाइट्स में मंगलवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट एजेंट्स ने एक 5 साल के बच्चे लियाम कोनेजो रामोस को पिता के साथ हिरासत में लिया गया। दोनों को टेक्सास के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। लियाम की स्कूल सुपरिंटेंडेंट जेना स्टेनविक ने बताया, 'एजेंट्स ने चलती गाड़ी से बच्चे को उतारा। फिर उन्होंने उसे घर का दरवाजा खटखटाने को कहा, ताकि पता चले कि अंदर कोई है या नहीं।' जेना ने इसे 5 साल के बच्चे का इस्तेमाल करना बताया। गिरफ्तारी के डर से पिता ने मां को दरवाजा खोलने से मना किया। हालांकि कुछ देर बाद माता-पिता ने अपने बच्चे को घर के अंदर लाने की मंशा से दरवाजा खोला, तभी बाहर मौजूद एजेंट्स ने पिता को गिरफ्तार किया। वहीं बच्चे को घर में मौजूद दूसरे लोगों को सौंपने से इनकार कर उसे भी अपने साथ ले गए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस लीडर्स से मुलाकात के दौरान घटना पर बात की। उन्होंने कहा कि 'बच्चा सिर्फ डिटेन हुआ है, गिरफ्तार नहीं।' वेंस ने कहा कि एजेंट्स बच्चे को ठंड में छोड़ नहीं सकते थे और गैरकानूनी व्यक्ति को गिरफ्तार करना जरूरी है।

6 हफ्तों में मिनेसोटा में 3,000 गिरफ्तारियां हुईं, इनमें 400 बच्च : लियाम अपने स्कूल जिले का चौथा छात्र है जिसे ढ्ढष्टश्व ने हिरासत में लिया है। स्कूल अधिकारियों और परिवार के वकील के मुताबिक परिवार 2024 में अमेरिका आया था। उनपर साइलम केस चल रहा है, लेकिन उन्हें देश छोड़ने का कोई आदेश नहीं था। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के अधिकारी के मुताबिक पिछले 6 हफ्तों में यहां करीब 3,000 गिरफ्तारियां हुई हैं। चिल्ड्रेंस राइट्स की लीशिया वेल्च ने डिटेंशन सेंटर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वहां बच्चे बढ़ गए हैं। कई बच्चे 100 दिनों से ज्यादा समय से डिटेन हैं। दिसंबर में सरकार ने माना कि करीब 400 बच्चों की हिरासत हुई। इनमें ज्यादातर बच्चे बीमार हैं, कुपोषित और गंभीर तकलीफ में हैं। स्कूल सुपरिटेंडेंट बोली- बच्चे को क्यों हिरासत में लिया, वह अपराधी नहीं होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉफलिन ने गुरुवार को ऑनलाइन बयान में कहा कि पिता ने खुद बच्चे को अपने साथ रखने की इच्छा जताई थी। उनके अनुसार, पिता और बच्चा दोनों इस समय टेक्सास के डिली स्थित इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में साथ हैं। स्कूल अधिकारियों ने बताया कि परिवार 2024 में अमेरिका आया था और उनका असाइलम केस अभी एक्टिव है। उन्हें देश छोड़ने का कोई आदेश नहीं दिया गया था। कोलंबिया हाइट्स पब्लिक स्कूल की सुपरिटेंडेंट जेना स्टेनविक ने सवाल उठाया कि 5 साल के बच्चे को क्यों हिरासत में लिया गया? आप यह नहीं कह सकते कि यह बच्चा किसी तरह का हिंसक अपराधी है। प्रवक्ता बोली- बच्चे को टारगेट नहीं किया, सुरक्षा के लिए साथ लाए मैकलॉफलिन ने कहा कि इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने बच्चे को टारगेट नहीं किया था, बल्कि उसके पिता एड्रियन अलेक्जेंडर कोनेजो एरियास को गिरफ्तार किया जा रहा था। बच्चे की सुरक्षा के लिए एक एजेंट उसके साथ रुका रहा। आईसीई के मुताबिक, माता-पिता को यह विकल्प दिया जाता है कि वे अपने बच्चों के साथ डिपोर्ट हों या बच्चों को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति के हवाले करें। गिरफ्तारी से स्कूलों में डर का माहौल कोलंबिया हाइट्स पब्लिक स्कूल में प्री-के से 12वीं तक करीब 3,400 छात्र पढ़ते हैं। अधिकतर छात्र इमिग्रेंट परिवारों से हैं। स्कूल सुपरिटेंडेंट स्टेनविक के मुताबिक, हाल के दिनों में एक 17 साल का छात्र, एक 10 साल का बच्चा और एक अन्य 17 साल का छात्र भी हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो हफ्तों में स्कूलों में उपस्थिति काफी गिर गई है। एक दिन करीब एक-तिहाई छात्र स्कूल नहीं आए। उनका आरोप है कि ढ्ढष्टश्व एजेंट स्कूलों के आसपास गश्त कर रहे हैं, बसों का पीछा कर रहे हैं और बच्चों को उठा रहे हैं, जिससे छात्रों और परिवारों में गहरा डर और ट्रॉमा है। महिलाओं-बच्चों के लिए खास बनाया गया डिटेंशन सेंटर, लाइब्रेरी-जिम मौजूद साउथ टेक्सास फैमिली रेजिडेंशियल सेंटर अमेरिका का सबसे बड़ा इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर है। यह टेक्सास राज्य के डिली शहर में स्थित है। यह मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों को हिरासत में रखने के लिए बनाया गया है, खासकर मध्य अमेरिका से आए प्रवासियों को, जो अक्सर शरण की मांग करते हैं । इनपर इमिग्रेशन केस जैसे डिपोर्टेशन या शरण की सुनवाई चल रही होती है। यह रेजिडेंशियल स्टाइल में बनाया गया है। इसमें कॉटेज-जैसे घर, खेल का मैदान, लाइब्रेरी, जिम, कैफेटेरिया, मेडिकल सुविधाएं और स्कूल जैसी सुविधाएं हैं। इसमें 1500 से 2000 हजार लोगों को रखा जाता है।

ट्रंप का कनाडा को झटका: 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्यौता वापस लिया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को अपने नए बनाए गए बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया है। यह कदम उत्तर अमेरिका के दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रही ताजा तनातनी के बीच उठाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के ज़रिए यह जानकारी दी। उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को संबोधित करते हुए लिखा कि पीस बोर्ड ने कनाडा को भेजा गया अपना निमंत्रण वापस लेने का फ़ैसला किया है। हालांकि, पोस्ट में ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने कनाडा को दिया गया यह निमंत्रण क्यों रद्द किया। वापस लेने के पीछे की वजह को लेकर उन्होंने कोई कारण नहीं बताया। बता दें कि बुधवार को, ट्रंप ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कहा था कि 'कनाडा अमेरिका की वजह से ज़िंदा है।' कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया है कि कनाडा अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। कार्नी ने कहा, 'कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक शानदार साझेदारी बनाई है। अर्थव्यवस्था में, सुरक्षा में और समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान में, लेकिन कनाडा अमेरिका की वजह से जिंदा नहीं है। कनाडा इसलिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि हम कनाडाई हैं। विश्व में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की शुरुआत की है। इसमें शामिल होने के लिए ट्रंप ने दुनिया के लगभग 60 देशों को न्योता भेजा। इजरायली मीडिया के अनुसार, 60 में से दुनिया के 25 देशों ने ट्रंप के न्यौते को स्वीकार कर लिया है। बोर्ड ऑफ पीस में अब तक इजरायल, बहरीन, मोरक्को, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अजरबैजान, बुल्गारिया, हंगरी, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कजाकिस्तान, कोसोवो, पाकिस्तान, पराग्वे, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, बेलारूस, मिस्र, वियतनाम और मंगोलिया शामिल हुए। आठ इस्लामिक देशों ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का न्योता स्वीकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी गाजा में इजरायल-हमास सीजफायर समझौते के दूसरे फेज के तहत घोषित बोर्ड में शामिल होने के लिए बुलाया था। हालांकि, भारत की तरफ से फिलहाल इसपर कोई फैसला सामने नहीं आया है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि फिलहाल इसपर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा, फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी, स्वीडन, नार्वे और कई दूसरे बड़े देशों ने इस साइनिंग सेरेमनी में हिस्सा नहीं लिया। इसके साथ ही जर्मनी, इटली, पैराग्वे, रूस, स्लोवेनिया, तुर्किए और यूक्रेन जैसे कई देशों ने इस न्योते पर कोई वादा नहीं किया है। बोर्ड में शामिल सदस्य देशों का कार्यकाल तीन साल तक सीमित होगा, और स्थायी सदस्यता हासिल करने के लिए कथित तौर पर 1 बिलियन डॉलर का भुगतान करना होगा।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भंग की संसद, 8 फरवरी को होंगे मध्यावधि चुनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया, जिससे देश में 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। तकाइची ने यह फैसला केवल तीन महीने के कार्यकाल के बाद लिया है। अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी गईं तकाइची को अब तक लगभग 70 प्रतिशत की ऊंची लोकप्रियता मिली है। माना जा रहा है कि वह इसी लोकप्रियता का लाभ उठाकर सत्तारूढ़ दल की स्थिति मजबूत करना चाहती हैं, जिसे हाल के वर्षों में भारी नुकसान झेलना पड़ा है। हालांकि, संसद भंग होने से उस बजट पर मतदान टल गया है, जिसका उद्देश्य कमजोर अर्थव्यवस्था को सहारा देना और बढ़ती महंगाई से निपटना था। 465 सदस्यीय निचले सदन के भंग होने के साथ ही 12 दिनों का चुनाव प्रचार अभियान शुरू होगा, जिसकी औपचारिक शुरुआत मंगलवार से होगी। प्रधानमंत्री तकाइची ने कहा कि वह चाहती हैं कि जनता तय करे कि उन्हें प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस चुनाव को अपने राजनीतिक भविष्य से जोड़ रही हैं। सख्त रुख वाली रूढ़िवादी नेता तकाइची अपने पूर्ववर्ती शिगेरु इशिबा से अलग नीतियों को सामने रखना चाहती हैं। उनके एजेंडे में ज्यादा सरकारी खर्च, सैन्य ताकत में इजाफा और कड़ी आव्रजन नीति शामिल है, ताकि जापान को 'मजबूत और समृद्ध' बनाया जा सके।

युवाओं में लोकप्रिय तकाइची की छवि : हालांकि तकाइची की छवि युवा मतदाताओं में लोकप्रिय है, लेकिन सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) अभी भी राजनीतिक फंडिंग घोटाले के असर से उबर रही है। इसके चलते कई पारंपरिक मतदाता उभरती दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टियों की ओर रुख कर चुके हैं। प्रधानमंत्री का लक्ष्य इस चुनाव के जरिए निचले सदन में मजबूत बहुमत हासिल करना है, ताकि उनकी सरकार बिना विपक्ष पर निर्भर हुए अपने एजेंडे को आगे बढ़ा सके।

गूगल और मेटा से विवादित विज्ञापन हटाने की मांग, अमेरिकी सांसदों ने उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेट लॉमेकर्स ने टेक दिग्गज कंपनी मेटा और गूगल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सांसदों का कहना है कि अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और उसकी एजेंसी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) इन प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे विज्ञापन चला रही है, जिनमें श्वेत राष्ट्रवादी विचारधारा और भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी की उपाध्यक्ष बेका बैलिंट और इमिग्रेशन प्रवर्तन की निगरानी करने वाली उपसमिति की प्रमुख, भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल ने मेटा और गूगल के सीईओ को अलग-अलग पत्र भेजे हैं। इन पत्रों में उन्होंने मांग की है कि डीएचएस के साथ डिजिटल विज्ञापन से जुड़ी सभी साझेदारियां तुरंत खत्म की जाएं और यह बताया जाए कि कंपनियों के बीच समझौते का दायरा और अवधि क्या है।

सांसदों का कहना है कि आईसीई इन विज्ञापनों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान के लिए कर रही है। इसके तहत मिनियापोलिस, शिकागो, पोर्टलैंड और न्यू ऑरलियन्स जैसे शहरों में हजारों नए अधिकारियों को तैनात करने की योजना है। आरोप है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भर्ती मानकों में भी ढील दी गई है। पत्रों में दावा किया गया है कि आईसीई ने ऐसे विज्ञापन चलाए हैं, जिनमें 'श्वेत राष्ट्रवादी प्रेरित प्रचार' की झलक मिलती है। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ये विज्ञापन उन लोगों को दिखाए जा रहे हैं जो स्पेनिश भाषा, मैक्सिकन खाने या लैटिन संगीत में रुचि रखते हैं, ताकि उन पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जा सके। सांसदों के अनुसार, पिछले 90 दिनों में डीएचएस ने 'सेल्फ-डिपोर्टेशन,' यानी खुद देश छोड़ने को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों पर 10 लाख डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं। इसके अलावा, गूगल और यूट्यूब पर स्पेनिश भाषा में ऐसे विज्ञापनों पर करीब 30 लाख डॉलर खर्च किए गए। बताया गया कि पिछले साल आईसीई ने मेटा और गूगल पर कुल मिलाकर लगभग 58 लाख डॉलर के विज्ञापन चलाए। सांसदों ने एक इंस्टाग्राम विज्ञापन का उदाहरण भी दिया, जिसमें लिखा था, 'हमारा घर फिर से हमारा होगा।' सांसदों का कहना है कि यह नारा अक्सर कट्टरपंथी और नव-नाजी समूहों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। सांसदों ने यह भी आरोप लगाया कि आईसीई ने भर्ती के नियमों में ढील दी है, जैसे उम्र सीमा हटाना, 50,000 डॉलर तक का साइनिंग बोनस देना और नए भर्ती अधिकारियों को बिना पर्याप्त प्रशिक्षण के मैदान में उतारना शामिल हैं। सांसदों ने मेटा और गूगल से यह भी पूछा कि उनके प्लेटफॉर्म पर ऐसे विज्ञापन कैसे चलने दिए गए, जबकि दोनों कंपनियों की नीतियां नफरत और भेदभावपूर्ण सामग्री के खिलाफ हैं।

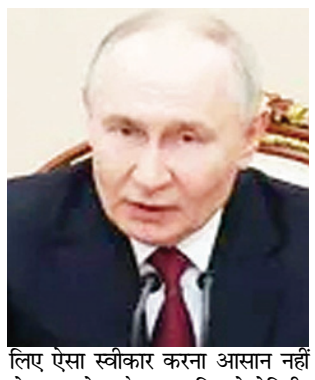

डोनाल्ड ट्रंप के दामाद संग रात भर चली पुतिन की मीटिंग, जेलेंस्की बोले- हम तो रूस की दया पर हैं

मॉस्को, एजेंसी। वैश्विक राजनीति में इन दिनों हलचल तेज है। एक तरफ दावोस में डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान किया तो वहीं रूस की राजधानी मॉस्को में पूरी रात वार्ता चलती रही। लंबे समय बाद अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर रातभर रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन में रहे। यहां पर यूक्रेन के साथ 4 सालों से चली आ रही जंग खत्म करने को लेकर मीटिंग हुई। इस दौरान व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद थे और उन्होंने साफ कर दिया कि यह समझौता तभी संभव है, जब उसके कब्जे वाले इलाकों को मान्यता दी जाए और वहां से यूक्रेन अपना किनारा कर ले। हालांकि यूक्रेन के

लिए ऐसा स्वीकार करना आसान नहीं होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ऐसा कई बार कह चुके हैं कि हम अपने इलाके नहीं छोड़ेंगे। यह मीटिंग ऐसे समय में हुई है, जब गुरुवार को ही वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के हमले के जवाब में यूरोप या अमेरिका से हमें मदद नहीं मिल रही है। उनका कहना था कि हालात ऐसे हैं कि हमें व्लादिमीर पुतिन की दया पर छोड़ दिया गया है। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि हमने मीटिंग में साफ कर दिया है कि जो इलाके रूस के नियंत्रण में हैं, उन्हें मान्यता दी जाए। वहीं यूक्रेन को इससे सख्त आपत्ति है। जेलेंस्की का कहना है कि पूर्वी यूक्रेन के इलाकों पर रूस का अवैध कब्जा है और हम इसे स्वीकार नहीं करते। पुतिन बोर्ड ऑफ पीस के लिए भी तैयार, मदद भी देंगे जेलेंस्की ने गुरुवार को दावोस में डोनाल्ड ट्रंप से मीटिंग के दौरान भी कहा था कि पूर्वी यूक्रेन के बड़े हिस्से पर रूस ने कब्जा जमा रखा है। इसका मसला अभी हल नहीं हुआ है और शांति प्रस्ताव लगभग तैयार है। इस बीच शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में एक मीटिंग होनी है। इसमें रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इस मीटिंग में गाजा को लेकर बने बोर्ड ऑफ पीस पर भी बात हुई। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि हम इसके लिए तैयार हैं और एक अरब डॉलर की रकम भी देंगे। उन्होंने कहा कि यह रकम उन संपत्तियों से ले ली जाए, जो रूस की हैं और उन्हें अमेरिका ने सीज कर रखा है।

अमेरिकी धरती पर रामायण की गूंज : मैरीलैंड के प्रतिनिधियों ने देखी विशेष प्रदर्शनी

एनापोलिस, एजेंसी। एशिया और उससे आगे रामायण के प्रसार पर आधारित एक दिवसीय प्रदर्शनी अमेरिका के मैरीलैंड स्टेट असेंबली बिल्डिंग में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में स्टेट लॉ मेकर, राजनयिक और समाज के कई प्रमुख लोग शामिल हुए। यह आयोजन एनापोलिस परिसर में हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंचे। कार्यक्रम में मैरीलैंड के कई प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। प्रतिनिधि वू चाओ ने कहा कि यह प्रदर्शनी दिखाती है कि संस्कृति कैसे अलग-अलग देशों और पृष्ठभूमियों के लोगों को जोड़ती है। उनके अनुसार ऐसी सांस्कृतिक पहल लोगों के बीच समझ बढ़ाती है और राजनीति में दिखने वाले मतभेदों को कम करने का काम करती है। चाओ ने कहा, 'यह एक ऐसी संस्कृति है जो लोगों को जोड़ती है और विविधता प्रदान करती है और वास्तव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के बीच समझ को बढ़ाती है।' प्रतिनिधि हैरी भंडारी ने रामायण की नैतिक शिक्षाओं पर बात करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है। उन्होंने बताया कि रामायण हमें चरित्र, त्याग, पारिवारिक मूल्यों, विनम्रता और अहंकार से बचने की सीख देती है। आज के समय में, जब समाज कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है, ये शिक्षाएं और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

प्रतिनिधि माइक रोजर सेना में रह चुके हैं और एशिया के कई देशों की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी ने उनके अनुभवों की याद दिला दी। उनके अनुसार, 'हमारे बीच मतभेदों की तुलना में अधिक समानताएं हैं। साझा

परंपराओं को समझने से आपसी सम्मान बढ़ता है और दुनिया बेहतर बनती है। नेपाल दूतावास की अरुणा घिसिंग ने कहा कि इस प्रदर्शनी ने उन्हें बचपन की यादें ताजा करा दीं, जब वे रामायण के धारावाहिक देखा करती थीं। उन्होंने बताया कि यह जानकर उन्हें आश्चर्य हुआ कि रामायण का संबंध गुयाना जैसे दूर देशों से भी है। उन्होंने इस आयोजन को सुंदर सांस्कृतिक उत्सव बताया और भविष्य में सहयोग की इच्छा भी जताई। आयोजकों ने कहा कि प्रदर्शनी जानबूझकर राज्य विधायिका के अंदर रखी गई थी, ताकि नीति-निर्माता और कर्मचारी रामायण की व्यापक एशियाई सभ्यतागत पृष्ठभूमि को समझ सकें। हिंदूएक्शन से जुड़े उत्सव चक्रवर्ती ने बताया कि मैरीलैंड में बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं, साथ ही थाई, वियतनामी, कंबोडियाई और फिलिपीन समुदाय भी यहां बड़ी संख्या में हैं। उन्होंने कहा कि कई विधायकों को उन देशों में हिंदू इतिहास के बारे में सीमित जानकारी है जहां अब हिंदू बहुमत में नहीं हैं, जैसे कि मलेशिया, इंडोनेशिया या फिलीपींस।इस प्रदर्शनी को मैरीलैंड लाने में डॉक्टर विद्या सत्यामूर्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बताया कि इससे पहले यह प्रदर्शनी अमेरिकी कैपिटल और ओहियो स्टेट कैपिटल में लग चुकी थी।

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ से तोड़ा नाता, कोविड विफलताओं का लगाया आरोप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने औपचारिक रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अपनी सदस्यता खत्म कर दी है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले दिन किए गए वादे को पूरा करने के तहत लिया गया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर ने एक संयुक्त बयान में बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित एक कार्यकारी आदेश के जरिए यह वापसी लागू की गई। इस फैसले का उद्देश्य अमेरिका को डब्ल्यूएचओ की 'पाबंदियों' से मुक्त करना और कोविड-19 महामारी के दौरान हुई विफलताओं से हुए नुकसान की भरपाई करना है। बयान में कहा गया, 'आज अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से खुद को अलग कर लिया है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले दिन वादा किया था। यह कदम कोविड-19 के दौरान डब्ल्यूएचओ की नाकामियों के जवाब में उठाया गया है, जिनका खामियाजा अमेरिकी जनता को भुगतना पड़ा।'

प्रशासन ने डब्ल्यूएचओ पर अपने मूल उद्देश्य से भटकने और अमेरिकी हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य और सबसे बड़ा वित्तीय योगदानकर्ता रहा है, इसके बावजूद संगठन ने अमेरिका के हितों की अनदेखी की। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि डब्ल्यूएचओ ने राजनीतिक

और नौकरशाही एजेंडे को अपनाया, जो उन देशों से प्रभावित था जो अमेरिका के विरोधी हैं। साथ ही, महामारी के दौरान समय पर और सटीक जानकारी साझा करने में संगठन असफल रहा। बयान में यह भी कहा गया कि इन विफलताओं की वजह से अमेरिकी लोगों की जान जा सकती थी और बाद में इन गलतियों को 'जन स्वास्थ्य के हित' के नाम पर छिपाया गया। प्रशासन ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका के बाहर निकलने के फैसले के बाद डब्ल्यूएचओ का व्यवहार अपमानजनक रहा। कहा गया कि संगठन ने अपने मुख्यालय में लगा अमेरिकी झंडा सौंपने से इनकार कर दिया और यह दावा किया कि उसने अमेरिका की वापसी को मंजूरी नहीं दी है। संयुक्त बयान में कहा गया, 'हमारे संस्थापक सदस्य और सबसे बड़े समर्थक होने के बावजूद, अंतिम दिन तक अमेरिका का अपमान जारी रहा।' अमेरिकी सरकार ने साफ किया कि अब डब्ल्यूएचओ के साथ उसका संपर्क केवल वापसी की प्रक्रिया पूरी करने और अमेरिकी नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा तक सीमित रहेगा। डब्ल्यूएचओ से जुड़ी सभी अमेरिकी फंडिंग और स्टाफिंग तुरंत समाप्त कर दी गई है।

प्रशासन ने कहा कि अमेरिका अब वैश्विक स्वास्थ्य प्रयासों का नेतृत्व सीधे देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी और भरोसेमंद स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए करेगा। बयान में डब्ल्यूएचओ को भारी-भरकम और अक्षम नौकरशाही बताया गया। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला उन अमेरिकियों को सम्मान देने के लिए लिया गया है जिन्होंने महामारी में अपनों को खोया, खासकर नर्सिंग होम में मरे बुजुर्गों और उन कारोबारियों को, जिन्हें कोविड प्रतिबंधों से भारी नुकसान हुआ। बता दें कि अमेरिका 1948 में डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य बना था और लंबे समय तक इसका सबसे बड़ा डोनर रहा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क और नेवार्क की उड़ानें कीं रद्द, अमेरिका में भीषण विंटर स्टॉर्म का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के ईस्ट कोस्ट में संभावित भीषण और ऐतिहासिक विंटर स्टॉर्म को देखकर एयर इंडिया ने 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने यह फैसला यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया है। एयर इंडिया द्वारा जारी ट्रैवल एडवाइजरी के अनुसार, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह से सोमवार तक भारी बर्फबारी, तेज ठंडी हवाएं और अत्यधिक ठंड पड़ने की आशंका है। ऐसे हालात में हवाई संचालन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। एयरलाइन ने कहा है कि 'यात्रियों और क्रू की सुरक्षा, सुविधा और भलाई को ध्यान में रखते हुए 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से संचालित होने वाली सभी उड़ानें रद्द की जा रही हैं।' यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फ्लाइट की ताज़ा स्थिति जानने के लिए एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल एप या कस्टमर केयर से संपर्क बनाए रखें। साथ ही, टिकट रिफंड और रीबुकिंग से जुड़ी जानकारी भी वहीं उपलब्ध है। उधर, अमेरिका इस समय एक रिकॉर्ड तोड़ विंटर स्टॉर्म की चपेट में है। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यह तूफान सेंट्रल प्लेन्स से लेकर नॉर्थ-ईस्ट तक करोड़ों लोगों को प्रभावित कर सकता है। भारी बर्फबारी, बर्फीली बारिश और खतरनाक ठंड के चलते कई इलाकों में सड़कें बंद होने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और यात्रा व्यवस्था पूरी तरह ठप होने की आशंका जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि बेहद जरूरी होने पर ही यात्रा करें और आधिकारिक मौसम अपडेट पर नजर बनाए रखें।

एमपी में रेल हादसा : मक्सी स्टेशन के पास मालगाड़ी पटरी से उतरी, दो हिस्सों में बंटी

शाजापुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब मक्सी रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी अचानक पटरी से उतर गई। हादसे में मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा मेन लाइन की पटरी टूटने के कारण हुआ। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी का संतुलन बिगड़ते ही उसके कई डिब्बे पटरी से उतर गए और जमीन में धंस गए। गनीमत यह रही कि घटना के समय इस रूट से कोई यात्री ट्रेन नहीं गुजर रही थी, अन्यथा नुकसान कहीं अधिक हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। साथ ही ट्रैक की मरम्मत का कार्य भी तत्काल शुरू कर दिया गया। हालांकि जब मीडिया ने अधिकारियों से जानकारी लेने की कोशिश की तो उन्होंने जांच पूरी होने तक कोई आधिकारिक बयान देने से परहेज किया। हादसे के बाद मेन लाइन बंद होने से कई यात्री ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। कुछ ट्रेनों को रोक दिया गया, जबकि एक लाइन को आंशिक रूप से चालू कर ट्रेनों को धीमी गति से निकाला गया। स्टेशन प्रबंधन के अनुसार प्रथम दृष्टया यह घटना ट्रैक की तकनीकी खराबी के कारण प्रतीत हो रही है। घटना की विस्तृत जांच के लिए उज्जैन से रेलवे अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंच रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

केरल में भाजपा ने लोकपाल की नियुक्ति का किया विरोध

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल में लोकपाल की नियुक्ति का विरोध कर इस वैधानिक रूप से गलत बताया है। भाजपा के राज्य अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और महासचिव वकील एस. सुरेश ने लोक भवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात कर याचिका सौंपकर कैबिनेट द्वारा जस्टिस (रिटायर्ड) बाबू मैथ्यू पी. जोसेफको लोकपाल नियुक्त करने के फैसले पर आपत्ति जता दी। भाजपा ने केरल लोकायुक्त अधिनियम-1999 की धारा 5(3) का हवाला देकर कहा कि यह प्रावधान किसी पूर्व लोकायुक्त या उप लोकायुक्त को किसी सरकारी या स्वायत्त निकाय में पद संभालने से रोकता है। भाजपा का तर्क है कि लोकपाल एक सरकारी फंड से वेतन पाने वाला वैधानिक पद है और इस पर मनमानी व्याख्या नहीं की जा सकती। केरल बीजेपी ने चेतावनी दी कि इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाली कोई भी नियुक्ति कानूनी रूप से अमान्य होगी और न्यायिक जांच के दायरे में आएगी। भाजपा ने कहा कि लोकपाल जैसी संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि ये संस्थाएं जमीनी स्तर पर शासन की निगरानी करती हैं और जनता का विश्वास बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। पार्टी ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वह अपने संवैधानिक विवेक का उपयोग कर कैबिनेट के फैसले को वैधानिक आधार पर पुनर्विचार के लिए वापस भेजें। राज्यपाल कार्यालय ने 'एक्स' पर भी मुलाकात की जानकारी देकर लिखा कि भाजपा नेताओं ने कानूनी प्रावधानों का हवाला देकर लोकपाल नियुक्ति का विरोध किया।

डोडा हादसे में चनौली का जवान जोबनप्रीत शहीद, सीएम मान ने जताया दुख

चंडीगढ़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना का वाहन खाई में गिरने से 10 जवान शहीद हो गए थे। इस हादसे में पंजाब के रोपड़ जिले के गांव चनौली के रहने वाले जवान जोबनप्रीत सिंह (23) भी शहीद हो गए। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने जोबनप्रीत सिंह की शहादत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शहीद जोबनप्रीत सिंह की शहादत पर पूरे प्रदेश को गर्व है। सीएम मान ने शहीद जवान के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि देश के प्रति उनके साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा- बीते दिनों जम्मू-कश्मीर के डोडा में जवानों से भरी एक बस के गहरी खाई में गिर जाने से 10 बहादुर जवान शहीद हो गए थे। उन शहीदों में जिला रोपड़ के गांव चनौली के जोबनप्रीत सिंह के शहीद होने की दुखद खबर मिली है। परिवार के प्रति गहरी संवेदना। देश के प्रति शहीद जवान के साहस को हम नमन करते हैं। इस कठिन घड़ी में सरकार शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी। इस हादसे पर पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला समेत कई नेताओं ने दुख जताया। तमाम नेताओं ने शहीद जवानों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

नई जनगणना अधिसूचना में जाति के लिए कोई कॉलम नहीं: पवन खेड़ा

-विपक्ष हुआ हमलावर, कांग्रेस और सपा ने सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। जनगणना की अधिसूचना में जाति का अलग कॉलम न होने को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। विपक्षी दलों ने इसे जातिगत जनगणना को लेकर सरकार की कथनी और करनी में अंतर बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीयत पर भी सवाल खड़े किए हैं।

कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि भाजपा जातिगत जनगणना की बात तो करती है, लेकिन व्यवहार में उससे पीछे हटती नजर आ रही है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, कि नई अधिसूचना में जाति के लिए कोई कॉलम नहीं है, जो सरकार के इरादों पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, उसका ठीक उल्टा करते हैं। पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा पहले बड़े-बड़े दावे

करती है, लेकिन फैसले लेने के समय बिना सोचे-समझे कदम उठाती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री जब कुछ कहते हैं तो यह मान लेना चाहिए कि व्यवहार में उसका उलटा ही होगा।

सपा ने साजिश करार दिया

इससे पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। अखिलेश यादव ने जातिगत जनगणना न किए जाने को पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज के खिलाफ साजिश करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि जब जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम ही नहीं है तो सरकार गिनती क्या करने जा रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि जातिगत जनगणना को लेकर भाजपा का रुख केवल एक राजनीतिक 'जुमला' है। गौरतलब है कि लंबे समय से विपक्षी दल जातिगत जनगणना की मांग करते आ रहे हैं और इसे सामाजिक न्याय तथा नीतिगत फैसलों के लिए जरूरी बता रहे हैं। वहीं केंद्र सरकार का अब तक यह रुख रहा है कि जनगणना एक जटिल प्रक्रिया है और सभी पहलुओं पर विचार के बाद ही निर्णय लिया जाएगा।

शंकराचार्य अविमुक्तानंद और सरकार मिलकर करें सुलह, सतानत का न बनने दें मजाक

-रामगंजमंडी में कथावायक धीरेंद्र शास्त्री ने चले रहे विवाद पर दी दोनों पक्षों को सलाह

कोटा (एजेंसी)। शिक्षा नगरी कोटा इन दिनों भक्ति नगरी में तब्दील हो चुकी है। रामगंजमंडी में कथावायक आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा के पहले ही दिन आस्था का सैलाब उमड़ा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की ओर से आयोजित इस गौ माता महोत्सव के पहले दिन धीरेंद्र शास्त्री ने न केवल धार्मिक उपदेश दिए। प्रयागराज में पालकी से स्नान पर अड़े शंकराचार्य अविमुक्तानंद सरस्वती और योगी सरकार के बीच चल रहे विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने सलाह दी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष हमारे अपने हैं, दोनों सनातनी हैं। बीच का रास्ता निकालें और मिल-बैठकर सुलह करें। सनातन का दुनिया के सामने मजाक न बनने दें। आजकल की पीढ़ी पर चुटकी लेते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने युवाओं को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की रील्स में कीमती समय बर्बाद नहीं करें। रील से निकलकर रियलिटी से जुड़ें। अपने परिवार और समाज को समय दें। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की। इस कथा ने इतिहास रच दिया जब मंच पर वाल्मीकि समाज और 30 गरीब परिवारों ने बाबा धीरेंद्र शास्त्री की आरती उतारी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि रामकथा पर सबका समान अधिकार है। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे।

पंजाब कांग्रेस में रार? राहुल गांधी की बैठक से दूरी के बाद नवजोत सिद्धू ने किया शायराना हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के भीतर असंतोष के सुर एक बार फिर तेज होते दिख रहे हैं। शशि थरूर के बाद अब पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के रुख को भी पार्टी नेतृत्व के प्रति नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। इस खींचतान की ताजा वजह बनी है राहुल गांधी द्वारा बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक। दिल्ली में आयोजित इस बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भविष्य की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई, लेकिन चौंकाने वाली बात यह रही कि नवजोत सिंह सिद्धू को इसमें आमंत्रित नहीं किया गया।

राहुल गांधी ने गुरुवार को दिल्ली में पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन किया। इस बैठक में प्रदेश के मौजूदा और पूर्व कई दिग्गज पदाधिकारी शामिल हुए, लेकिन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की गैर-मौजूदगी ने सियासी हलकों में कई सवाल खड़े कर दिए। बैठक के ठीक अगले दिन शुक्रवार दोपहर बाद सिद्धू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसने कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को लेकर चल रही चर्चाओं को और हवा दे दी है। इस वीडियो में नवजोत सिद्धू अपने चिर-परिचित शायराना अंदाज में अपनी बात कहते नजर आए। उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनके बोल काफी गहरे थे। वीडियो में वे कहते हैं, 'जिसने आपको नहीं बुलाया, उसे दफा कीजिए, हर कोई आपके काबिल नहीं होता और कई बार अकेले रहना ही बेहतर होता है।' सिद्धू के इन शब्दों को राजनीतिक विश्लेषक सीधे तौर पर राहुल गांधी की बैठक में उन्हें नजरअंदाज किए जाने से जोड़कर देख रहे हैं। इसे नेतृत्व के प्रति एक मौन विरोध और कड़ा संदेश माना जा रहा है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को पार्टी नेतृत्व से उनकी असहजता के संकेत के रूप में देखा गया था। अब सिद्धू के इस वीडियो ने यह संकेत दिया है कि कांग्रेस में आलाकमान और कुछ कद्दावर नेताओं के बीच खींचतान पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

धर्म और राजनीति के बढ़ते घालमेल समाज के लिए घातक: सुश्री मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती ने धर्म और राजनीति के बढ़ते घालमेल पर गंभीर चिंता जताकर समाज के लिए घातक बताया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी बीते कुछ वर्षों से धार्मिक पर्वों, त्यौहारों, पूजापाठ, स्नान और अन्य आस्थागत आयोजनों में राजनीतिक हस्तक्षेप लगातार बढ़ा है। इसके कारण नए-नए विवाद, तनाव और सामाजिक संघर्ष उत्पन्न हो रहे हैं, जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं हैं।

मायावती ने अपने बयान में कहा कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए धर्म को राजनीति से और राजनीति को धर्म से जोड़ने के गंभीर खतरे हमेशा बने रहते हैं। प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहा विवाद इसका ताजा उदाहरण है, जहां आस्था के विषय को राजनीतिक रंग देने से आपसी अनादर, आरोप-प्रत्यारोप और टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज

में सौहार्द बिगाड़ती हैं और आम लोगों के मन में दुख व चिंता स्वाभाविक रूप से उत्पन्न करती हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने जोर देकर कहा कि देश का संविधान और कानून जनहित और जनकल्याणकारी कार्यों को ही वास्तविक राष्ट्रीय धर्म मानता है। संविधान की भावना यही है कि राजनीति को धर्म से और धर्म को राजनीति से अलग रखा जाए। यदि सही नीयत और नीति के साथ इसका ईमानदारी से पालन किया जाए, तब-राजनेता बिना किसी द्वेष और पक्षपात के अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं। वर्तमान हालात में भी जनता की यही अपेक्षा है कि सभी वर्गों के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक हितों की रक्षा निष्पक्षता से की जाए।

उन्होंने प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहे विवाद को आपसी सहमति से शीघ्र सुलझाने की अपील कर कहा कि जितनी जल्दी इसका समाधान होगा, उतना ही बेहतर होगा। उल्लेखनीय है कि माघ मेला के दौरान मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को पालकी में स्नान के लिए जाते समय पुलिस द्वारा रोके जाने से विवाद उत्पन्न हुआ था, जिसके बाद धक्का-मुक्की और धरना जैसी स्थिति बनी। इस प्रकरण में प्रशासन द्वारा जारी नोटिसों के बाद मामला और तूल पकड़ गया तथा राजनीतिक दलों की भी इसमें एंट्री हो गई। अपने बयान के अंत में मायावती ने 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों को होगी 1 से 10 साल की जेल, जुर्माना भी लगेगा

-छह महीनों में देशभर में कुल 1,698 घटनाएं हुई, 665 को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। जुलाई से दिसंबर 2025 के बीच के आंकड़ों के मुताबक पिछले छह महीनों में देशभर में पत्थरबाजी की कुल 1,698 घटनाएं हुई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 665 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पत्थरबाजी की यह प्रवृत्ति न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरपीएफ की जांच में सामने आया है कि पत्थरबाजों के निशाने पर सबसे ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें हैं। हालांकि इन आधुनिक ट्रेनों में बेहद मजबूत रीइन्फोर्स्ड कांच लगाए गए हैं, लेकिन भारी पथराव के कारण वे भी टूट रहे हैं। वहीं, सामान्य यात्री ट्रेनों में खिड़की के शीशे टूटने से कई यात्रियों के घायल होने की खबरें हैं। रेलवे ने उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की है जहां ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं। इन क्षेत्रों में आरपीएफ की गश्त बढ़ा दी गई है और अपराधियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ स्थानीय मुखबिरों की मदद ली जा रही है। रेलवे प्रशासन ने साफ कहा है कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पकड़े गए आरोपियों पर भारतीय रेलवे अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। इन धाराओं के तहत अपराध की गंभीरता के आधार पर एक साल से लेकर 10 साल तक की जेल का प्रावधान है। रेलवे ने कहा कि वे इन मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। रेलवे केवल कानूनी कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस समस्या की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

इसके लिए रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि बच्चों को इसके कानूनी परिणामों के बारे में बताया जा सके। पटरियों के पास बसी बस्तियों के लोगों को शिक्षित किया जा रहा है कि पत्थरबाजी कैसे किसी की जान ले सकती है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और आधुनिक कैमरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर दें। शेष मामलों में जांच अभी जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

रॉबर्ट वाड्रा मामले पर सुनवाई टली, ईडी ने मांगा अतिरिक्त समय तो कोर्ट हुआ नाराज 26 फरवरी को होगी सुनवाई

पटना (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेने को लेकर शनिवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली सुनवाई टाल दी गई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 फरवरी की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान ईडी ने चार्जशीट से संबंधित कुछ आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की, जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई।

अदालत ने ईडी को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि जरूरी कागजात जमा करने के लिए यह एजेंसी को दिया जा रहा अंतिम अवसर है। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी को समय पर सभी औपचारिकताएं पूरी करनी चाहिए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। यह चार्जशीट ब्रिटेन स्थित डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दाखिल की गई है। मामले में विदेशी संपत्तियों और कथित अवैध वित्तीय लेन-देन से जुड़े पुराने आरोपों की एक बार फिर गहन जांच की जा रही है। ईडी के अनुसार, रॉबर्ट वाड्रा का नाम संजय भंडारी से संबंधित विदेशी संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन के संदर्भ में सामने आया है। एजेंसी का आरोप है कि इन लेन-देन में मनी लॉन्ड्रिंग के तत्व मौजूद हैं, जिनकी जांच मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है।

गौरतलब है कि ईडी की यह जांच वर्ष 2016 में संजय भंडारी के ठिकानों पर हुई आयकर विभाग की छापेमारी के बाद शुरू हुई थी। इस दौरान कथित तौर पर कुछ ईमेल और दस्तावेज बरामद किए गए थे, जिनके आधार पर जांच एजेंसियों ने रॉबर्ट वाड्रा और उनके सहयोगियों के साथ भंडारी के संबंधों की पड़ताल शुरू की। जांच पूरी होने के बाद ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा को इस मामले में आरोपी बनाया।

एक अन्य संबंधित मामले में ईडी ने अदालत को बताया कि रॉबर्ट वाड्रा को गुरुग्राम में एक विवादित जमीन सौदे से कथित तौर पर 58 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। इसमें से 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी के माध्यम से और 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज़ ट्रेडिंग के जरिए भेजे गए थे। जांच के दौरान केंद्रीय एजेंसी ने 38.69 करोड़ रुपये मूल्य की 43 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है, जिन्हें अपराध की कमाई या उसके समकक्ष बताया गया है।

ईडी ने जुलाई 2025 में पीएमएलए की धारा 50 के तहत रॉबर्ट वाड्रा का बयान भी दर्ज किया था। वहीं, संजय भंडारी पहले से ही विदेश में अघोषित संपत्तियां रखने और अवैध वित्तीय लेन-देन के आरोपों का सामना कर रहा है। अब मामले में 26 फरवरी को होने वाली सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में गूंजेगी ऑपरेशन सिंदूर की धमक: शौर्य प्रदर्शन करेंगे राफेल-सुखोई विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर कर्तव्य पथ का आसमान भारतीय वायुसेना के अदम्य साहस और अत्याधुनिक मारक क्षमता का गवाह बनेगा। इस वर्ष फ्लाई पास्ट का मुख्य आकर्षण विशेष रूप से तैयार किया गया 'सिंदूर' फॉर्मेशन होगा। यह फॉर्मेशन पिछले वर्ष पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने वाले ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक फॉर्मेशन में भारतीय वायुसेना के सात शक्तिशाली विमान शामिल होंगे, जिनमें 2 राफेल, 2 मिग-29, 2 सुखोई-30 और एक जैगुआर फाइटर जेट अपनी गर्जना से आसमान को गुंजायमान करेंगे।

भारतीय वायुसेना के अनुसार, इस बार फ्लाई पास्ट में कुल 29 विमान अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। इनमें 16 फाइटर जेट, 4 मालवाहक (ट्रांसपोर्ट) विमान और 9 हेलीकॉप्टर शामिल हैं। परेड की शुरुआत में वायुसेना के चार एमआई-17 हेलीकॉप्टर ध्वज फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे, जो राष्ट्रीय ध्वज के साथ-साथ थल सेना, नौसेना और वायुसेना के ध्वज लहराते हुए देश को गौरवन्वित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वायुसेना के विमान प्रहार, गरुड़, अर्जन, वरुणा, वजरंग और विजय जैसे विभिन्न प्रभावशाली फॉर्मेशन में भी अपनी सटीक उड़ान का प्रदर्शन करेंगे। गणतंत्र दिवस 2026 का आयोजन विशेष रूप से 'वंदे मातरम' के गौरवशाली 150 वर्षों को समर्पित किया गया है। पूरे समारोह पर राष्ट्रगीत की स्पष्ट छाप दिखाई देगी और वायुसेना का बैंड इससे जुड़ी विशेष धुनें बजाकर देशप्रेम का संचार करेगा। परेड में अनुशासन और नेतृत्व का प्रदर्शन करने के लिए वायुसेना की ओर से विशेष तैयारियां की गई हैं। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि समारोह में स्क्वाड्रन लीडर हेमंत सिंह कन्यार गार्ड ऑफऑनर के कमांडर के रूप में वीर शहीदों को नमन करेंगे। कर्तव्य पथ पर ध्वजारोहण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी फ्लाइट लेफ्टिनेंट अक्षिता ढाकर निभाएंगी, जबकि स्क्वाड्रन लीडर जगदेश कुमार के नेतृत्व में वायुसेना का मार्चिंग दल अपनी सटीक कदमताल से दर्शकों का मन मोहेगा। फ्लाई पास्ट के समापन चरण में राफेल, सुखोई-30, सी-295, अपाचे और स्वदेशी एलसीएच (प्रचंड) जैसे विमान शामिल रहेंगे। इस बार की परेड में न केवल वायुसेना का अनुशासन और पेशेवर उत्कृष्टता दिखाई देगी, बल्कि तीनों सेनाओं के स्वदेशी हथियारों और उपकरणों का प्रदर्शन भारत की आत्मनिर्भरता को भी दर्शाएगा। समारोह की भव्यता बढ़ाने के लिए इसकी शुरुआत 100 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा पारंपरिक युद्ध-संगीत के साथ की जाएगी, जो कर्तव्य पथ पर शौर्य और संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेंगे।

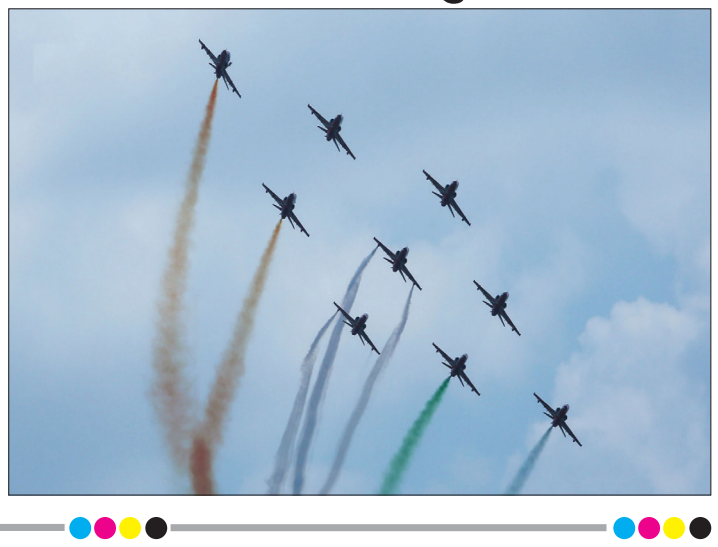

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कपूर्री जयंती समारोह, पटना में राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

ऐश पाइपलाइन में था लीकेज,मृतकों के परिजनों को 20 लाख देगी कंपनी, कांग्रेस करेगी जांच

पटना। भारत रतन ठाकुर का 102 की जयंती मनाई जा रही है। कपूर्री ठाकुर के जयंती के मौके पर हर राजनीतिक दल उन्हें याद कर रहा है और श्रद्धांजलि देकर उनके कामों को लोगों तक पहुंचा रहा है। कपूर्री जयंती के मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी विधानसभा पहुंचकर कपूर्री ठाकुर को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी आज सबसे पहले विधानसभा स्थित कपूर्री ठाकुर के विशाल प्रतिमा पर पहुंचकर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी विजय सिन्हा विजय चौधरी सहित कई नेता शामिल हुए।डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कपूर्री जयंती के मौके पर विरोधियों को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कपूर्री ठाकुर ने अपने आचरण और स्वभाव से सबके बीच सम्मान पाया। वह अभाव में भी लोगों के बीच प्रभाव छोड़ा। विजय सिन्हा ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत रत्न देकर उन्हें बड़ा सम्मान दिया। सभी को चाहिए कि जातीय नफरत को खत्म कर आपसी भाईचारा बनाए रखें। आरजेडी पर हमला करते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि, 'कपूर्री ठाकुर से सबक लेना चाहिए कि कैसे अभाव में भी लोगों के बीच सम्मान पाया जाता है।' जननायक कपूर्री ठाकुर के जयंती के मौके पर पटना स्थित जनता दल (यूनाइटेड) कार्यालय में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू कार्यालय पहुंचकर कपूर्री ठाकुर के तस्वीर पर माल्यार्पण किया और दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जननायक कपूर्री ठाकुर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मंत्री विजय चौधरी और श्याम रजक ने कपूर्री ठाकुर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान कपूर्री ठाकुर के सामाजिक न्याय, पिछड़ों और वंचित वर्गों के उत्थान में उनके योगदान को याद किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में पार्टी

कार्यकर्ता सहित महिलाएं भी मौजूद रहीं। इस मौके पर मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि जननायक कपूर्री ठाकुर लोगों के दिलों की धड़कन है। कपूर्री जी के ही रास्ते पर चलकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनके सपनों को साकार किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कपूर्री ठाकुर के हर सपने को जमीन पर उतारा है। आज सभी लोग आकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राजद द्वारा मनाया जा रहे कपूर्री ठाकुर जयंती पर तंज करते हुए कहा कि, 'उन लोगों को भी सद्बुद्धि आई है जो कपूर्री के विचारों को भी नहीं मानते।' बीजेपी और आरजेडी भी मना रही है कपूर्री जयंती भारतीय जनता पार्टी और आरजेडी भी आज कपूर्री जयंती अपने कार्यालय में मना रही है। बीजेपी में हो रहे कपूरी जयंती समझ में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित बीजेपी के तमाम बड़े चेहरे शामिल होंगे। वहीं, आरजेडी कार्यालय में होने वाले कपूर्री जयंती समारोह में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव शामिल होंगें। शुक्रवार को पटना में सामजिक न्यायिक मोर्चा और नाई महासभा ने जननायक कपूर्री ठाकुर की जयंती समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कपूर्री ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कपूर्री ठाकुर गरीबों, दलितों, पिछड़ों और सवर्ण समाज के गरीबों की सशक्त आवाज थे। उन्होंने समाज के उस वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया, जो मुख्यधारा से बिछड़ गया था। उनका योगदान बिहार ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रेम कुमार ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कपूर्री ठाकुर के सपनों को साकार करने का काम कर रहे हैं। सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की जो परिकल्पना कपूर्री ठाकुर ने की थी, उसे आज की सरकार आगे बढ़ा रही है।

संक्षिप्त डायरी

दानापुर में गोलीबारी मामले में एक की गिरफ्तारी

दानापुर। में आपसी विवाद में गोलीबारी हुई थी। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दूसरा मौके से फरार हो गया, उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से एक कट्टा औक एक खोखा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शाहपुर थाना क्षेत्र के भगवतीपुर निवासी संजय राय का बटा कुंदन कुमार है। फरार आरोपी कुंदन का भाई जितेंद्र कुमार है। मामला

शाहपुर थाना क्षेत्र का है। गोलीबारी में एक घायल हो गया था, जिसका इलाज चल रहा दानापुर एएसपी शिवम धाकड़ ने बताया कि शाहपुर थाना अंतर्गत भगवतीपुर में मारपीट और गोलीबारी की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही शाहपुर थाना की गश्ती टीम और डायल-112 की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस को देखकर 2 युवक भागने लगे, जिनमें से 1 को पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया, जबकि दूसरा भागने में सफल रहा। पकड़े गए युवक की निशानदेही पर घटनास्थल के पास सड़क किनारे घास में फेंका हुआ एक देसी कट्टा और एक खोखा बरामद किया गया। एएसपी धाकड़ ने आगे बताया कि इस गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल हो गया था, जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। प्रारंभिक जांच में विवाद के पीछे 'लव ट्राइंगल' का मामला सामने आ रहा है। इन पक्षों के बीच पहले भी मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं। पीड़ित पक्ष के मनीष कुमार के आवेदन पर शाहपुर थाना में कांड संख्या 25/26 दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

पटना हाईकोर्ट को मिले नए न्यायाधीश

पटना। वरिष्ठ अधिवक्ता अंशुल राज बने जजपटना हाईकोर्ट को नया न्यायाधीश मिल गया है। राजधानी पटना के वरिष्ठ अधिवक्ता अंशुल राज को पटना हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने अधिसूचना जारी की है।अंशुल राज पटना हाईकोर्ट के जाने-माने और अनुभवी वकीलों में गिने जाते हैं। वे लंबे समय से हाईकोर्ट में वकालत कर रहे हैं और कई महत्वपूर्ण मामलों में अपनी

मजबूत फैसलों के लिए पहचाने जाते है।वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा के बेटे हैं अंशुल राजअंशुल राज, वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा के पुत्र हैं। योगेश चंद्र वर्मा पटना हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं और बिहार स्टेट बार काउंसिल के सदस्य भी रहे हैं। बेटे की इस उपलब्धि पर उनके परिवार और अधिवक्ता समाज में खुशी का माहौल है। अंशुल राज का शपथ ग्रहण समारोह भी जल्द ही आयोजित किया जाएगा।जानकारी के अनुसार, अंशुल राज का नाम पहले पटना हाईकोर्ट कॉलेजियम ने जज पद के लिए अनुशंसित किया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने भी उनके नाम पर सहमति दी। जिसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी।केंद्रीय कानून मंत्री ने दी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद राष्ट्रपति ने अंशुल राज को पटना हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है। अंशुल राज न केवल पटना बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चित वकील रहे हैं। वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े बिहार के मामलों में भी बतौर अधिवक्ता काम कर चुके हैं। उनकी पहचान तेज-तर्रार और गहरी कानूनी समझ रखने वाले वकील के रूप में है।

भाई वीरेंद्र बोले-पार्टी नेतृत्व की गलत रणनीति से चुनाव हारे

पटना। चुनाव में आरजेडी की हार के बाद पार्टी के भीतर सवाल उठने लगे हैं। मनेर से आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने चुनाव में हार को लेकर पार्टी नेतृत्व की रणनीति और टिकट बंटवारे के तौर-तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि गलत रणनीति और टिकट बंटवारे की चूक ने पार्टी को भारी नुकसान पहुंचाया। दरअसल, शुक्रवार को एक कार्यक्रम में भाई वीरेंद्र ने चुनाव में विजय मंडल

के टिकट काटे जाने पर नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने इशारों में तेजस्वी यादव के फैसले पर सवाल उठाए। फखऊ विधायक ने कहा पार्टी को चुनाव में हार का सामना इसलिए करना पड़ा, क्योंकि जमीनी कार्यकताओं और मजबूत दावेदारों की अनदेखी की गई। भाई वीरेंद्र ने कहा, 'जो लोग वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे थे, उन्हें टिकट नहीं दिया गया, जबकि कई बाहरी और कमजोर उम्मीदवारों को मौका दे दिया गया। चुनावी रणनीति में गंभीर चूक हुई है और इसी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा।' विधायक ने आगे कहा, 'जब चुनाव में कार्यकर्ता ही उत्साहित नहीं होंगे, तो उसका सीधा असर नतीजों पर पड़ेगा।' उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वे और विजय मंडल एक साथ विधायक बने थे, लेकिन इस बार चुनाव में विजय मंडल का टिकट काट दिया गया। भाई वीरेंद्र ने कहा, 'मुझे यह बात नहीं कहनी चाहिए, लेकिन जब मजबूत और अनुभवी लोगों को बाहर कर दिया जाएगा तो नुकसान तो होगा ही।' काशीनाथ सिंह यादव अमई गांव के रहने वाले थे। पार्टी ने उन्हें एक बार पीरो विधानसभा सीट से टिकट भी दिया था। उन्हीं की श्रद्धांजलि सभा में मैं शामिल हुआ था। जिस कार्यक्रम में मैं गया था, वहां समाजवादी धारा के लोग मौजूद थे। मैंने जो बात कही है, वह बिल्कुल सही है। जिन लोगों ने इस तरह का कुकृत्य किया है, मामला सिर्फ विजय मंडल तक सीमित नहीं है। तीन जिलों की जिम्मेदारी एक ही व्यक्ति को दी गई थी और उन तीनों जिलों को बेच दिया गया। किसने बेचा, यह पार्टी की जांच का विषय है। यह भी जांच होनी चाहिए कि कैमूर, रोहतास और बक्सर जिलों की जिम्मेदारी किन लोगों को सौंपी गई थी। बक्सर जिले से पार्टी सिर्फ एक सीट ही जीत पाई। जब हम कोई बात बेबाकी से रखते हैं, तो सोच-समझकर और पूरी जिम्मेदारी के साथ रखते हैं। मैं जो कह रहा हूं, वह सही है और इस पर मैं अडिग हूं। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'मैं बगावत नहीं कर रहा हूं, सच्चाई को मैं सामने लाया हूं। वहां श्रद्धांजलि सभा में कहा चुका हूं कि ऐसे लीडर को लोगों ने बढ़ने नहीं दिया और किन लोगों ने बढ़ने नहीं दिया, वह की जनता से जा कर पूछिए।'

नवादा में मेडिकल प्रैक्टिशनर की हत्या

नवादा। रोह के कोशी में एक ग्रामीण प्रैक्टिशनर की निर्मम हत्या कर दी गई है। घटना नवादा जिले के रोह प्रखंड के कोशी गाँव की है, जहाँ शुक्रवार को अलग-अलग हिस्से में बँटा हुआ अधजला शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान ग्रामीण चिकित्सक 45 वर्षीय अशोक मिस्त्री के रूप में की गई है। गाँव से महज 500 मीटर की दूरी पर एक खेत से ग्रामीण डॉक्टर का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है। अपराधियों ने इस हत्याकांड को बेहद खौफनाक अंजाम दिया है। पहले डॉक्टर के शरीर को, धड़ को दो टुकड़ों में काट दिया गया और फिर शव को जला दिया गया। अधिकांश भाग जल गया, चेहरा और बाकी कुछ ही हिस्सा बचा है। गुरुवार की शाम से गायब डॉक्टर को खोज रहे परिजनों को शुक्रवार को जला हुआ शव मिलने की सूचना मिली, तो फिर चेहरे से पहचान हुई। सूचना मिलने पर मौके पर थानाध्यक्ष रंजन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुँच कर पुलिस ने अधजला शव बरामद कर लिया है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं परिजनों में शोक और आक्रोश व्याप्त है। हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

अंडर-19 वर्ल्ड कप, सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ेंगे वैभव सूर्यवंशी

पटना। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत का तीसरा मुकाबला न्यूजीलैंड से है। मैच आज दोपहर 1 बजे से जिम्बाब्वे के बुलावायो में शुरू होगा। भारत अपना पहला दो मुकाबला जीतकर सुपर-सिक्स में जगह बना चुका है। बिहार के वैभव सूर्यवंशी आज के मुकाबले में सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। उनके नाम अभी 1047 रन दर्ज हैं, जबकि सरफराज खान के 1080 रन हैं। ऐसे में वैभव को सरफराज से आगे निकलने के लिए सिर्फ 33 रन की जरूरत है। इतना ही नहीं, अगर वैभव इस मुकाबले

में 102 रन बना लेते हैं तो भारतीय कप्तान शुभमन गिल और उन्मुक्त चंद के 1149 यूथ वनडे रनों का रिकॉर्ड भी टूट जाएगा।भारत और न्यूजीलैंड का यह लीग स्टेज का आखिरी मैच है। भारत ने अब तक दोनों मुकाबले जीतकर ग्रुप-बी में टॉप पर जगह बनाई है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा था। वे विराट के रिकॉर्ड तोड़ने से 3 रन दूर थे। वैभव ने 4 रन बनाने के साथ ही यूथ वनडे में इंडिया के टॉप स्कोरर की लिस्ट में कोहली को पीछे छोड़ दिया। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी 8वें से 7वें नंबर पर आ गए हैं। वैभव सूर्यवंशी ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में 72 रन बनाए थे। इसमें 3 छक्के और 6 चौके शामिल थे। 8वें ओवर में वैभव ने यूथ वनडे में एक हजार रन पूरे कर लिए थे। इसी के साथ वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में 50 प्लस स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वैभव सूर्यवंशी ने 13वें ओवर में हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने अफगानिस्तान के शाहिदुल्लाह कमाल को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अमेरिका के साथ खेले गए पहले मैच में वैभव सिर्फ 2 रन बनाकर ही आउट हो गए थे।

बिहार में होगा 'दंगल', विजेता को 1 लाख इनाम

पटना। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से फरवरी में मल्लयुद्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस साल इस प्रतियोगिता का नाम 'दंगल' रखा गया है। दो दिवसीय यह प्रतियोगिता 14 और 15 फरवरी को संभावित है।इस बार दंगल का आयोजन जमुई के एसके सिंह स्टेडियम में किया जाएगा। इसमें प्रथम आने वाले को 1 लाख रुपए, दूसरे स्थान पर रहने वाले को 50 हजार और तीसरे स्थान वाले को 25 हजार रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि, इस प्रतियोगिता

में भाग लेने के लिए एंट्री ऑनलाइन होगी। इसके लिए पोर्टल खोला जाएगा जिसमें लिंक के माध्यम से खिलाड़ी उसमें रजिस्टर कर सकते हैं। वेट कैटेगरी के अनुसार खिलाड़ी अपना एंट्री डाल सकते हैं। खासबात यह है कि हर खिलाड़ी को ऑनलाइन ही पता चल जाएगा कि उनका मुकाबला किस खिलाड़ी के साथ होगा, ताकि पारदर्शिता के साथ मल्लयुद्ध प्रतियोगिता का आयोजन हो। लड़कों के 4 और लड़कियों के 3 वेट कैटेगरी में होगी प्रतियोगिता रवीन्द्रण शंकरण ने आगे बताया कि, हर साल बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से मल्लयुद्ध का कार्यक्रम किया जाता है। मेरा आग्रह है कि बिहार में जितने भी मल्लयुद्ध के अखाड़े हैं, जैसे बेतिया बगहा से लेकर गया और बक्सर से लेकर मुंगेर भागलपुर तक, सभी इस कार्यक्रम में भाग लें। इस प्रतियोगिता का आयोजन लड़कों के लिए चार वेट कैटेगरी में और लड़कियों के लिए तीन वेट कैटेगरी में होगा। इस प्रतियोगिता की तारीख अभी तय नहीं की गई है, लेकिन 14 और 15 फरवरी को यह संभावित है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संदेश

दानापुर। में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दानापुर कैंट स्थित +2 जानकधारी उच्च विद्यालय परिसर में हुआ, जिसमें दानापुर के विभिन्न स्कूलों से बड़ी संख्या में छात्राओं, शिक्षकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने निकाली गई जागरूकता रैली से हुई। इस रैली को बीडीओ आलोक कुमार, सीओ चंदन कुमार और बीईओ विनोद कुमार विकास ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्कूल से प्रारंभ होकर अलख सिन्हा मार्ग, एमईएस पुल, सैनिक चौक, बीआरसी शहीद स्मारक तक गई और उसी मार्ग से वापस स्कूल में समाप्त हुई। विद्यालय की शिक्षिकाएं भी छात्राओं के साथ रहीं। रैली में शामिल छात्राओं ने भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा और नशाखोरी के उन्मूलन को लेकर नारे लगाए। इस अवसर पर बालिकाओं ने अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि बेटा-बेटी में अंतर न करें, बेटी है तभी परिवार है, दहेज लेकर बहू न लाएं, भ्रूण में बेटी होने पर भ्रूण हत्या न करें और बेटी को जरूर पढ़ाएं। जागरूकता रैली के साथ ही स्कूल प्रांगण में छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता और वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।इस दौरान दानापुर के सीओ चंदन कुमार ने बताया कि, बालिकाओं का सशक्तिकरण किसी भी समाज के समग्र विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने जोर दिया कि बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करके ही एक सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वासी बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में दानापुर के दस से अधिक विद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया।

जरूरतमंदों के यहाँ लगेंगे सोलर सिस्टम: नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य में मुफ्त घरेलू बिजली के बाद अब सभी जरूरतमंद व इच्छुक उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर सिस्टम लगेंगे। अगले पाँच साल यानी 2030 तक बिहार को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाएँगे। इसके लिए सात निश्चय-3 के तहत विकासात्मक व लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान शुक्रवार को मुजफ्फरपुर शहर के अहियापुर बाजार समिति प्रांगण में आयोजित

कार्यक्रम के दौरान 853 करोड़ की लागत से 172 योजनाओं का रिमोट से शिलान्यास-उद्घाटन व कार्यारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुजफ्फरपुर के विकास के लिए रोजगार, औद्योगिक क्षेत्र, डेयरी, आदर्श डिग्री कॉलेज, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य केंद्र बनाए जाएँगे। सीएम ने जीविका के स्टॉलों का निरीक्षण के साथ 27628 समूहों को 406 करोड़ रुपए का सांकेतिक चेक भी प्रदान किया। जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि नवंबर 2005 में एनडीए की सरकार बनने पर विकास कार्य होने लगे। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पताही से उड़ान शुरू करने के लिए रन-वे बनाने का टेंडर हो गया है। इस दौरान डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, मंत्री विजय कुमार चौधरी, कृषि मंत्री राम कृपाल यादव व अन्य मौजूद रहे।

बिहार से 450 युवाओं को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

केंद्रीय मंत्री बोले- पूरी दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रही है भारत की अर्थव्यवस्था

पटना। रोजगार मेला के तहत आज पटना के ऊर्जा स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन रइ की ओर से किया गया। पूरे देशभर के 45 स्थानों पर 61000 अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र बांटे गए। बिहार में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन संबोधन करते हुए कहा कि 61000 से अधिक नौजवान आज नई शुरूआत कर रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण का संकल्प पत्र है। मैं आप सभी युवाओं को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं

नियुक्ति पत्र के लिए दे रहा हूं। पीएम मोदी भारत दुनिया के सबसे युवाओं देशों में से एक है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि अलग अलग देशों में अपने देश के युवाओं के लिए अवसर बढ़े। आज भारत एक बड़ा मैनुफैक्चरिंग पावर बनते जा रहा है। ₹नागरिक देवो

भव पर सभी सेवक काम करें। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि, 'प्रधानमंत्री का लक्ष्य 10 लाख युवाओं को रोजगार देना है। आज इस केंद्र से बिहार के 450 युवाओं को रोजगार दिए जा रहे हैं। यह देश आने वाले समय में पूरी दुनिया में स्टार्टअप का हब बनने जा रहा है। हर तरीके से प्रधानमंत्री देश के युवाओं को रोजगार की दिशा में मदद कर रहे हैं। देश में निर्मित सामानों के यूज पर बल दिया जा रहा है। यह संकल्प देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएगा।' सशस्त्र सीमा बल के महानिरीक्षक निशित कुमार उज्ज्वल ने कहा कि, '18 वें संस्करण में आज पूरे देश में किया गया है। गृह मंत्रालय की ओर से बिहार में इसके आयोजन की जिम्मेदारी शस्त्र सीमा बल को सौंपी गई है। इसके लिए गृहमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।'

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रजौली। प्राणचक मोड़ के पास सोमवार देर शाम हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मृतक की पहचान सिरदला थाना क्षेत्र के विजयपुर गांव निवासी बीरू राजवंशी के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक सौरभ गांगुली का इलाज अस्पताल में चल रहा है। दोनों आपस में चाचा-भतीजा बताए जा रहे हैं। घायल सौरभ गांगुली ने बताया कि वह अपने चाचा बीरू राजवंशी के साथ रजौली में आयोजित प्रसिद्ध श्रृंगी ऋषि मेला देखने गया था। मेला देखकर लौटने के दौरान घर जाने के लिए कोई साधन नहीं मिला, जिस पर दोनों ने एक अपरिचित बाइक सवार से लिफ्ट मांगी। बाइक पर पीछे बैठकर वे प्राणचक मोड़ की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

6 महीने पहले गुजरी मां की याद में बनाई फिल्म

गोरखपुर में बनी 'हैप्पी बर्थडे' फिल्म को 'सेकेंड बेस्ट फिल्म' अवॉर्ड

संवाददाता

गोरखपुर । के रजत सिंह राजपूत की लिखी गई फिल्म 'हैप्पी बर्थडे' को गोरखपुर सिनेमा महोत्सव में सेकेंड बेस्ट फिल्म अवॉर्ड मिला। अपनी इस सफलता का श्रेय पूरी टीम को देते हुए उन्होंने बताया कि यह कहानी कहीं न कहीं मेरी ही है। मैंने देखा है कि मेरे सपने को पूरा करने के लिए माता- पिता ने कितना संघर्ष किया है। उन्होंने बताया कि मुझे फिल्म स्कूल भेजने में मेरी मां का सबसे बड़ा हाथ है। 6 महीने पहले उनका निधन हो गया। उन्हीं के याद में मैंने यह स्टोरी लिखी। मेरी यह फिल्म मेरी मां समर्पित है। 'सिनेमा वाला' फिल्म प्रोडक्शन से जुड़ें रजत इस समय के 'सिनेमा वाला' फिल्म प्रोडक्शन से जुड़ें हैं। इसी प्रोडक्शन की ओर से बनाई गई फिल्म 'हैप्पी बर्थडे' को गोरखपुर

सिनेमा महोत्सव में दूसरा बेस्ट फिल्म अवॉर्ड मिला। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन रजत सिंह राजपूत ने किया। मेन कैरेक्टर्स ने फिल्म में डाली जान फिल्म के मेन कैरेक्टर्स रजत सिंह राजपूत, अंकिता सिंह, चंदन यादव, बिक्की प्रजापति, अंतिमा यादव, तान्या जायसवाल, समरेश मिश्रा और पलक मिश्रा ने अपने इंप्रेसिव एक्टिव से फिल्म में जान डाल दी। फिल्म का साउंड डिजाइन शिवम वर्मा ने किया, जबकि इसकी सिनेमैटोग्राफी राहुल शर्मा, अखिल, शिव नारायण सिंह चौहान और चंदन यादव ने की है। फिल्म के संपादन भी चंदन यादव ने मुख्य भूमिका निभाई है। जानिए 'हैप्पी बर्थडे' की कहानी दैनिक भास्कर से बातचीत करते हुए रजत ने बताया कि फिल्म खाने की बबार्दी को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत करती है दैनिक भास्कर से बातचीत करते हुए रजत ने बताया कि फिल्म 'हैप्पी बर्थडे' खाने की बबार्दी के भयावह रूप को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत करती है। कहानी एक ऐसे पिता के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसकी बेटी अपने जन्मदिन पर केक की इच्छा जताती है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण पिता उसकी यह छोटी-सी इच्छा पूरी नहीं कर पाता। अंत में उसे एक डैबिन में केक मिलता है उसे अपनी बेटी के लिए लेकर आता है। वहीं दूसरी ओर फिल्म में एक ऐसे परिवार को दिखाया गया है, जिसके लिए वही केक कोई महत्व नहीं रखता और उसे कूड़े के ढेर में फेंक दिया जाता है। फिल्म का अंत दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देता है। रजत ने बताया कि उनकी पूरी जो टीम है उन्हें अपने-अपने कामों में बचपन से ही रुचि रही है। सबके अलग- अलग गुण मिलकर एक मजबूत टीम बनी। इस फिल्म की सफलता का श्रेय सभी टीम मेंबर को जाता है। हम सब की रूचि ने 'सिनेमावाला फिल्म प्रोडक्शन' को जन्म दिया है। रजत बताते हैं कि इस फिल्म की शूटिंग के लिए कहीं और नहीं बल्कि गोरखपुर के अलग- अलग लोकेशन का इस्तेमाल किया है। हमें लोकेशन को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा आसानी से हमने शूटिंग स्पॉट तय किए। फिल्म के लिए टीम को मिली ट्रॉफी फिल्म के लिए टीम को मिली ट्रॉफी रजत ने बताया कि चूकि यह एक शार्ट स्टोरी है इसलिए इसे बनाने में ज्यादा खर्च नहीं आया है। हमने इसे बहुत ही सस्ते में 80,000 की लागत में तैयार किया है। लगभग एक साल की मेहनत रंग लाई रजत ने बताया- इस फिल्म को बनाने में लगभग एक साल का समय लगा। 6 महीने पहले स्क्रिप्ट लिखी और 6 महीने में शूटिंग और बाकी काम किया है। उम्मीद है लोगों को यह काफी पसंद आए। रजत ने बताया पिछले साल गोरखपुर सिनेमा महोत्सव में हमारी फिल्म 'ड्रीम्स लगी थी जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। उस फिल्म को 12 इंटरनेशनल अवॉर्ड मिल चुके हैं और यहां सेकेंड बेस्ट फिल्म अवॉर्ड मिला था।

पानी के 11 प्लांटों के लाइसेंस निलंबित, उत्पादन और बिक्री पर लगाई रोक

संवाददाता

गोरखपुर । आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के निर्देश पर चलाए गए विशेष राज्यस्तरीय जांच अभियान के तहत अंतरजनपदीय टीम ने नौ और 10 जनवरी को विभिन्न प्लांटों का निरीक्षण किया था। प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार, लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की गई है, जबकि विस्तृत रिपोर्ट में पानी की रिपोर्ट असुरक्षित मिलने के आसार हैं। गोरखपुर शहर और देहात क्षेत्र में बोतलबंद पानी के 11 प्लांटों में उत्पादन और बिक्री पर रोक लगा दी गई है। इंदौर में दूषित पानी पीने से बच्चों की मौत के बाद अंतरजनपदीय टीम ने नौ और 10 जनवरी को 19 प्लांटों की जांच की। खाद्य सुरक्षा विभाग ने खामियां मिलने पर इनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के निर्देश पर चलाए गए विशेष राज्यस्तरीय जांच अभियान के तहत अंतरजनपदीय टीम ने नौ और 10 जनवरी को विभिन्न प्लांटों का निरीक्षण किया था। प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार, लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की गई है,

जबकि विस्तृत रिपोर्ट में पानी की रिपोर्ट असुरक्षित मिलने के आसार हैं। इन प्लांटों में पानी के नमूने लेने के साथ चेक लिस्ट के अनुसार भी जांच की गई थी, जिसमें खामियां मिली हैं। इन फर्मों को नोटिस दिया जा रहा है। पानी के रासायनिक और माइक्रो बायोलॉजिकल परीक्षण की अनुपलब्धता, ओजोनेशन और रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) मशीनों का खराब होना, पेस्ट कंट्रोल की व्यवस्था न होना और स्वच्छता का अभाव सहित अन्य खामियां पाई गई हैं, जबकि कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र भी सही नहीं पाए गए थे। इन फर्मों के उत्पादन व बिक्री पर रोक झा फ्लोर मिल्स प्रा. लि, ब्रांड : लाइफ इंडिया, गीडा द फार्मा फूड्स एंड बेवरेज, ब्रांड : एनवौर, सोनबरसा शार्प बेवरेज, ब्रांड : शार्प, मोहरीपुर अजय नीर उद्योग, ब्रांड : एक्वा नीर, नौसड़ एशियन एजेंसीज, ब्रांड : न्यू गैलेक्सी, गीडा एमडीएस इंटरप्राइजेज, ब्रांड : ब्लू नोवा, गोला जीके फूड्स एंड बेवरेजेज, ब्रांड : गैलीसिया, सहजनवां देवकृपा फूड एंड बेवरेजेज, प्रा. लि., ब्रांड : हाइमैक्स, नकहा सेफ हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स, ब्राड : एक्वा रैली, राप्तीनगर रिलायबल फ्रेश, गोला शाह फूड एंड बेवरेज, गीडा आयुक्त खाद्य सुरक्षा के निर्देश पर पानी के प्लांटों में की गई जांच में गंभीर खामियां मिलने पर 11 प्लांटों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

भाजयुमो के क्षेत्रीय महामंत्री का अंतिम संस्कार:बड़े भाई ने मुखाग्नि दी, पत्नी बेहाल; इखढ विधायक पहुंचे

संवाददाता

गोरखपुर । गोरखपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री अखिल देव त्रिपाठी का आज उनके गांव बलुआ कैंपियरगंज में 11:30 बजे के आसपास अंतिम संस्कार हुआ। सैकड़ों की संख्या में लोग घाट तक पहुंचे। अंतिम विदाई देने से पहले उनके तीनों भाई फूट- फूट कर रोने लगे। बीजेपी कार्यकताओं ने बीजेपी का झंडा अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। बड़े भाई कृष्ण देव ने मुखाग्नि दी। उधर घर पर पत्नी का भी रो- रो कर बुरा हाल है। साथ ही परिवार के अन्य लोग और रिश्तेदारों में शोक का मौहाल है। अंतिम विदाई प्रदीप शुक्ला विधायक ,हर्षवर्धन सिंह प्रदेश महामंत्री भाजपा युवा मोर्चा, पुरुषार्थ सिंह क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजयुमो, अंबिकेश धर दुबे क्षेत्रीय मंत्री भाजयुमो, सूरज राय, गोविंद वर्मा क्षेत्रीय कार्यसमिति, सचिन चौधरी, दिलीप मिश्रा, आलोक अनन्द , जयदित्य सिंह के साथ विश्वद्यालय के तमाम बड़े छात्र नेता घाट पर मौजूद रहें। रवि

किशन ने दी अंतिम संस्कार की सूचना अंतिम विदाई में पहुंचे कैंपियरगंज विधायक फतेह बहादुर सिंह अंतिम विदाई में पहुंचे कैंपियरगंज विधायक फतेह बहादुर सिंह अखिलदेव के असमय मौत से शहर और राजीनीति में शोक का माहौल है। रवि किशन के अपने फेस बुक पोस्ट के जरिए अखिलदेव के अंतिम संस्कार के जगह और समय की सूचना दी। बताया जा रहा है कि अखिल को सर्वाइकल की प्रॉब्लम थी। लंबे समय उनका इलाज चल रहा था। डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए बोल दिया था। मंगलवार को लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में उनका ऑपरेशन हुआ। कंडीशन धीरे- धीरे बिगड़ी और शुक्रवार को सुबह उनका निधन हो गया। अखिल दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के अंतिम उपाध्यक्ष रहे। सूचना मिलते ही प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी अस्पताल पहुंच शोक संवेदना व्यक्त की। परिजनों से मिलने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी परिजनों से मिलने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भारतीय जनता युवा मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री अखिल देव त्रिपाठी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में उपचार चल रहा था। उन्हें सर्वाइकल की प्रॉब्लम थी। मंगलवार को उनका आपरेशन हुआ था। शुक्रवार को उनकी अचानक तबियत बिगड़ गई। 2018 के आसपास उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा ज्वाइन किया 2018 के आसपास उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा ज्वाइन किया उनका दोपहर में उनका निधन हो गया। निधन की सूचना मिलते ही प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी अस्पताल पहुंच शोक संवेदना व्यक्त की। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय, प्रदेश उपाध्यक्ष, सदस्य विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, केंद्रीय राज्यमंत्री व सांसद कमलेश पासवान, सांसद रवि किशन शुक्ल, विधायक गण श्रीराम चौहान, फतेहबहादुर सिंह, महेन्द्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ला, विमलेश पासवान, राजेश त्रिपाठी, इ० सरवन निषाद, बिपिन सिंह, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी डॉ बच्चा पाण्डेय नवीन, जिला मीडिया प्रभारी के एम मझवार, महानगर मीडिया प्रभारी चन्दन आर्या, भाजयुमो क्षेत्रीय अध्यक्ष पुरुषार्थ सिंह, जिलाध्यक्ष दुर्गेश दुबे नीरज, महानगर अध्यक्ष सत्यार्थ मिश्रा समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है। उनके निधन से विश्वविद्यालय के छात्र राजनीति में उनके साथ सक्रिय रहे युवाओं में दुख हैं। सूचना मिलने के बाद परिवार, दोस्तों और भाजयुमो के सदस्यों में शोक की लहर है। लोग शोक संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। वहीं इस दुःख की घड़ी में उनके घर पहुंच कर परिवार का ढांढ़स बढ़ा रहे हैं। जानिए अखिलदेव से जुड़ी बातें अखिल देव का जन्म साल 1996 में हुआ। उनका घर बलुआ कैंपियरगंज में है। बचपन में ही पिता का देहांत हो गया था।

माया‌वती बोलीं- धार्मिक मामलों में राजनीतिक दखल से बढ़ रहे विवाद...तनाव व संघर्ष का कारण बन रहे

संवाददाता

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने धार्मिक आयोजनों में बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे विवाद, तनाव और संघर्ष बढ़ रहे हैं। प्रयागराज स्नान विवाद इसका ताजा उदाहरण है। उन्होंने संविधान की भावना के अनुरूप धर्म और राजनीति को अलग रखने की अपील की। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी किसी भी धर्म के पर्व, त्योहार, पूजापाठ, स्नान आदि में

राजनीतिक लोगों का हस्तक्षेप एवं प्रभाव पिछले कुछ वर्षों से बढ़ा है। यह नए विवाद, तनाव व संघर्ष का कारण बन रहा है, जो सही नहीं है। इससे लोगों का दुखी और चिंतित होना स्वाभाविक है। बसपा सुप्रीमो ने शनिवार को जारी अपने बयान में कहा कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए धर्म को राजनीति तथा राजनीति को धर्म से जोड़ने के खतरे हमेशा बने रहते हैं। प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहा विवाद, एक-दूसरे का अनादर व आरोप-प्रत्यारोप इसका ताजा. उदाहरण है। इससे हर हाल में बचना ही बेहतर होगा। देश का संविधान व कानून ईमानदारी से जनहित व जनकल्याणकारी कर्म को ही वास्तविक राष्ट्रीय धर्म मानकर राजनीति को धर्म से तथा धर्म को राजनीति से दूर रखता है। जिस पर सही नीयत व नीति से अमल हो ताकि राजनेता अपना संवैधानिक दायित्व बिना किसी द्वेष व पक्षपात के सर्वसमाज के सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक हित में ईमानदारी व निष्ठापूर्वक निभा सकें। वर्तमान हालात में भी लोगों की यही अपेक्षा है। लिहाजा प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहा कड़वा विवाद आपसी सहमति से जितना जल्द सुलझ जाए, उतना बेहतर होगा। इसके अलावा बसपा सुप्रीमो ने प्रदेशवासियों को ह्लउत्तर प्रदेश दिवसह्व की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी हैं।

पांच बार से अधिक चालान पर 10,050 वाहनों का पंजीकरण निलंबित, छह महीने में नहीं भरे चालान तो ऐसा होगा

संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ में यातायात नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले 10,050 वाहनों का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है। छह माह में चालान न भरने पर पंजीकरण निरस्त होगा। कार्रवाई ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट पर आरटीओ प्रशासन ने की है। यातायात नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले 10,050 वाहनों का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है। यदि छह महीने के भीतर चालान नहीं भरे गए तो इन वाहनों का पंजीकरण स्थायी रूप से निरस्त कर दिया जाएगा। यह कार्रवाई ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ की ओर से चार महीनों में की गई है। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से ट्रैफिक पुलिस ने वर्ष 2025 के नवंबर तक पांच या उससे अधिक बार नियमों का उल्लंघन करने वाले

वाहनों की पहचान की। आरटीओ प्रशासन को 52,187 वाहनों का पंजीकरण निरस्त करने की रिपोर्ट भेजी गई थी। जांच में 5012 वाहन डुप्लीकेट डेटा वाले और 5298 वाहन अन्य जिलों व प्रांतों के पाए गए। ऐसे वाहनों के पंजीकरण निलंबन के लिए संबंधित जिलों को ई-मेल द्वारा संस्तुति की गई है। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि नवंबर में ट्रैफिक पुलिस द्वारा सौंपी गई सूची के आधार पर 10050 वाहनों का पंजीकरण निलंबित किया जा चुका है, जबकि शेष वाहनों के निलंबन की प्रक्रिया जारी है। इसके अतिरिक्त, लगभग 500 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। पंजीकरण और डीएल निलंबित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने परिवहन विभाग को पहली सूची में 13,919 वाहनों का विवरण सौंपा था।

कंबल वितरण समारोह में विवाद, पूर्व प्रमुख पति की तहरीर पर सभासद पर मामला दर्ज

संवाददाता

गोरखपुर । विवाद के दौरान थानेदार मौके पर पहुंचे और मंच पर हो रहे झगड़े को रोकते हुए संदीप गुप्ता को थाने भेज दिया। थोड़ी देर बाद मामला शांत होने पर उन्हें छोड़ दिया गया। इस पर नाराज क्षेत्रीय विधायक महेंद्र पाल सिंह और आनंद शाही के समर्थकों ने सड़क पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कंबल वितरण समारोह में सभासद व पूर्व प्रमुख के बीच विवाद के बाद थानाप्रभारी से बातचीत करने विध नगर पंचायत पिपराइच की ओर से आयोजित कंबल वितरण समारोह के दौरान शुक्रवार दोपहर रामलीला मैदान में पूर्व प्रमुख आनंद शाही और सभासद संदीप गुप्ता के बीच विवाद हो गया। इस घटना के बाद पूर्व प्रमुख पति प्रेम पासवान की तहरीर पर पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, विवाद के दौरान थानेदार मौके पर पहुंचे और मंच पर हो रहे झगड़े को रोकते हुए संदीप गुप्ता को थाने भेज दिया। थोड़ी देर बाद मामला शांत होने पर उन्हें छोड़ दिया गया। इस पर नाराज क्षेत्रीय विधायक महेंद्र पाल सिंह और आनंद शाही के समर्थकों ने सड़क पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। थानाध्यक्ष अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को थाने बुलाया और तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यूपी भारत की धड़कन और आत्मा...', अमित शाह बोले- 15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतरीं

संवाददाता

लखनऊ । राजधानी में अमित शाह ने यूपी को भारत की धड़कन और आत्मा बताया। कहा कि यह भारत के विकास का इंजन है, विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यहां 15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतारी जा चुकी हैं। राजधानी लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को देश की आजादी का शताब्दी वर्ष होगा। यूपी विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। भारत के

विकास का इंजन है, और विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं। यहां तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। यह स्थल राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा। यह दशकों तक देश को दिशा देगा। 65 एकड़ में पहले कूड़े का पहाड़ था। भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। यूपी के विश्व प्रसिद्ध स्वादिष्ट व्यंजन पूरी दुनिया को मिलेंगे शाह ने सीएम युवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच जिलों को सम्मानित किया। कहा कि सीएम युवा योजना से युवाओं को ऋण देने की व्यवस्था है। अब तक 1.30 लाख युवाओं को करोड़ों का ऋण दिया गया। विधानसभा चुनाव की बात करते हुए कहा कि मैं 2017 को याद करूंगा। यूपी का घोषणा पत्र बना रहा था। इसमें ओडीओपी को शामिल किया। डबल इंजन सरकार का काम यूपी ही नहीं पूरे देश में फैल गया है। रोजगार का साधन बना है। आज यहां ओडीओसी का मेला लगा है। विश्व प्रसिद्ध स्वादिष्ट व्यंजन पूरी दुनिया को मिलेगा। यूपी का हर जिला रोजगारयुक्त होगा इस मौके पर गृहमंत्री ने शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय, सुधांशु सिंह, रश्मि आर्य को सम्मानित किया। कहा कि आज हरिओम पंवार को भी सम्मानित करने का मौका मिला है। इनको लंबे समय से सुनता आया हूं। सरदार पटेल योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह 10 खराब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में काफी उपयोगी होगी। अलग-अलग चरण में इसका काम होगा। यूपी का हर जिला रोजगारयुक्त होगा। देशभर में जाने वाले को यूपी में रोजगार की व्यवस्था होगी। अपने माता-पिता की सेवा करें। 15 लाख करोड़ की योजना जमीन पर उतरी शाह ने आगे कहा पीएम के नेतृत्व में सीएम योगी ने योजनाओं को जमीन पर उतारा। कांग्रेस, सपा, बसपा ने बीमारू राज्य को ब्रेक थ्रू राज्य बनाया है। कृषि विकास दर बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान है। यूपी फूड बास्केट बना है। अयोध्या में श्रीराम का मंदिर बनाने का काम हुआ। महाकुंभ का आयोजन, सनातन धर्म की ख्याति को पहुंचाया। इलेक्ट्रानिक निर्यात कर रहा है। कोई 2017 के पहले कल्पना नहीं कर सकता था। आज ग्रीन डेस्टिनेशन बन गया है। 15 लाख करोड़ की योजना जमीन पर उतारने का काम किया है। डकैती, लूट में कमी आई। देश की सीमा को भी सुरक्षित किया है। यूपी विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ा है। देशभक्ति की लौ जागृत हो चुकी है। परिवारवादी पार्टियां यूपी का कल्याण नहीं कर सकतीं उन्होंने कहा कि अगला साल चुनाव का साल है। यूपी के विकास के लिए प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएं। परिवारवादी पार्टियां यूपी का कल्याण नहीं कर सकती हैं। भाजपा ही कर सकती है। मोदी, योगी ने विकास का सर्वश्रेष्ठ दिया है। डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेववे, हाईवे दिए। भ्रष्टाचार समाप्त किया। गरीब के लिए योजनाएं आईं। 20 घंटे बिजली दे रहे हैं। आने वाले चुनाव में हर मतदाता जाति-पंथ से ऊपर उठकर भाजपा का कमल खिलाए।